दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-197
मुरादाबाद
(Friday)
08 November 2024
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

वन रैंक वन पेंशन को 10 साल पूरे; PM मोदी बोले- यह योजना हमारे दिग्गजों के साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि

वन रैंक वन पेंशन योजना के तहत सशस्त्र बलों के कार्मिकों को समान पद और सेवा अवधि के लिए समान पेंशन का भुगतान किया जाता है, चाहे उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि कुछ भी हो। इस योजना को आज ही के दिन लागू किया गया था। आज के ही दिन 10 साल पहले केंद्र की मोदी सरकार ने वन रैंक वन पेंशन फ्लागू की थी। पीएम ने इस ऐतिहासिक दिन को याद करते हुए बताया कि इस योजना से लाखों पेंशनधारकों को फायदा पहुंचा है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि पूर्व सैनिकों के लिए 'वन रैंक वन पेंशन' योजना लागू करना देश की अपने नायकों के प्रति कृतज्ञता की पुष्टि करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। क्या है ओआरओपी योजना?- बता दें, ओआरओपी योजना के तहत सशस्त्र बलों के कार्मिकों को समान पद और सेवा अवधि के लिए समान पेंशन का भुगतान किया जाता है, चाहे उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि कुछ भी हो। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2014 के लोकसभा चुनाव में इस योजना को लागू करने का वादा किया था। सत्ता में आने के बाद, मोदी ने सेवानिवृत्त रक्षा कर्मियों की प्रमुख शिकायतों को दूर करने के लिए इस योजना को लागू करने को प्राथमिकता दी थी। साहस और बलिदान के लिए एक श्रद्धांजलि- पीएम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में दिग्गजों को याद किया और कहा कि ओआरओपी उनके बलिदान और साहस को श्रद्धांजलि देने का एक तरीका है। उन्होंने कहा, %आज ही के दिन वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) लागू किया गया था। यह हमारे सैनिकों और पूर्व सेवा कर्मियों के साहस और बलिदान के लिए एक श्रद्धांजलि थी, जिन्होंने हमारे राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।'उन्होंने कहा, 'ओआरओपी को लागू करने का निर्णय इस लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने और हमारे नायकों के प्रति हमारे देश की कृतज्ञता की पुष्टि करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। पिछले दशक में लाखों पेंशनभोगी और पेंशनभोगी परिवार इस ऐतिहासिक पहल से लाभान्वित हुए हैं। संख्या से परे, ओआरओपी हमारे सशस्त्र बलों की भलाई के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है। हम हमेशा अपने सशस्त्र बलों को मजबूत करने और हमारी सेवा करने वालों के कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।'- पीएम की सशस्त्र सेनाओं के प्रति नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा ओआरओपी रक्षा मंत्री- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी ओआरओपी को सशस्त्र बलों के प्रति प्रधानमंत्री की नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सशस्त्र सेनाओं के प्रति नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। उनके नेतृत्व में सरकार सैनिकों और उनके परिवारों की देखभाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। ओआरओपी के क्रियान्वयन से 25 लाख से अधिक भूतपूर्व सैनिकों को लाभ मिला है। देश के भूतपूर्व सैनिकों से की गई प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार। फैसला- ओआरओपी को लागू करने का फैसला नरेंद्र मोदी सरकार ने सात नवंबर 2015 को लिया था, जिसके लाभ एक जुलाई, 2014 से प्रभावी हुए। ओआरओपी सशस्त्र बलों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी और इसका तात्पर्य यह है कि समान रैंक के सेवानिवृत्त सैनिक, जो समान सेवा अवधि के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं, उन्हें उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि और वर्ष पर ध्यान दिए बिना समान पेंशन मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में धरने पर बैठे अभ्यर्थी, बोले- एलटी ग्रेड के खाली पद भरे सरकार

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में अभ्यर्थी धरने पर बैठे हैं। उनकी मांग है कि एलटी ग्रेड के खाली पदों पर सरकार भर्ती निकाले। राजधानी लखनऊ में गुरुवार को अभ्यर्थियों ने शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। अभ्यर्थी एकत्र होकर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय पर धरने पर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि एलटी ग्रेड में कई वैकेंसी खाली हैं। हमारी मांग है कि सरकार इन पदों पर भर्ती निकाले।

प्रियंका बोलीं- वायनाड की सेवा उसी तरह करना चाहती हूं जैसे एक मां बच्चों की देखभाल करती है

प्रियंका ने वायनाड लोकसभा सीट के उपचुनाव के लिए अपने चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि अगर उन्हें मौका दिया गया तो वह न केवल संसद, बल्कि हर मंच पर वायनाड के लोगों के लिए लड़ेंगी। कांग्रेस महासचिव और वायनाड लोकसभा सीट से संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा गुरुवार को एक बार फिर वायनाड की जनता से रूबरू हुईं। उन्होंने कहा कि वह इस क्षेत्र के लोगों की सेवा उसी तरह करना चाहती हैं, जैसे एक मां अपने बच्चों की देखभाल करती है। प्रियंका ने वायनाड लोकसभा सीट के उपचुनाव के लिए अपने चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि अगर उन्हें मौका दिया गया तो वह न केवल संसद, बल्कि हर मंच पर वायनाड के लोगों के लिए लड़ेंगी। प्रियंका ने अपने भाई और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के दिल में वायनाड के प्रति लगाव होने का भी जिक्र किया और वोटरों से खुद के लिए समर्थन मांगा। प्रियंका ने कहा कि इसके जरिए वह वायनाड की जनता की सेवा कर सकती हैं। प्रियंका गांधी ने भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के खिलाफ अपने आरोपों को भी दोहराया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की राजनीति ने देश में किसानों और छोटे व्यापारियों को नुकसान पहुंचाया है। मलप्पुरम जिले के एरानाड और नीलंबुर विधानसभा क्षेत्र में अकंपदम और पोथुकल्लू इलाके में नुक्कड़ सभाओं के दौरान उन्होंने कहा कि वायनाड में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बावजूद सरकार से सहयोग की कमी है। उन्होंने कहा कि इसके चलते क्षेत्र के किसान और छोटे व्यवसाय भी कर्ज से जूझ रहे हैं। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि इसकी वजह भाजपा की तरफ से की जा रही डर, नफरत और विभाजन की राजनीति है और कहा कि देश में इस तरह की राजनीति नहीं चल सकती। प्रियंका वायनाड में पांच दिवसीय प्रचार अभियान के लिए पहुंची थीं। वह लगातार इन मुद्दों को उठाती रही हैं। बता दें कि राहुल गांधी के वायनाड सीट खाली करने के बाद इस पर उपचुनाव तय हुआ है। वायनाड में 13 नवंबर को मतदान होना है और मतगणना 23 नवंबर को होगी।

भाजपा के आरोपों पर बोले राहुल गांधी, 'मैं व्यापार नहीं, बल्कि एकाधिकार विरोधी हूं'

सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में राहुल गांधी ने कहा, मैं एक बात बिल्कुल स्पष्ट करना चाहता हूं, मुझे भाजपा में मेरे विरोधियों की तरफ से व्यापार विरोधी के रूप में पेश किया गया है। मैं बिल्कुल भी व्यापार विरोधी नहीं हूं, मैं एकाधिकार विरोधी हूं, मैं अल्पाधिकार बनाने का विरोधी हूं, मैं एक या दो या पांच लोगों की तरफ से व्यापार पर वर्चस्व का विरोधी हूं।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि वह व्यापार विरोधी नहीं हैं, जैसा कि भाजपा कह रही है, बल्कि वह एकाधिकार और अल्पाधिकार बनाने के विरोधी हैं। समाचार पत्र में लेख लिखने के बाद की टिप्पणी- राहुल गांधी की ये टिप्पणी एक समाचार पत्र में एक लेख लिखने के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि मूल ईस्ट इंडिया कंपनी 150 साल पहले खत्म हो गई थी, लेकिन उसके बाद पैदा हुआ डर फिर से वापस आ गया है, क्योंकि एकाधिकारियों की एक नई नस्ल ने उसकी जगह ले ली है। हालांकि, राहुल गांधी ने जोर देकर कहा था कि प्रगतिशील भारतीय व्यापार के लिए एक नया सौदा एक ऐसा विचार है जिसका समय आ गया है।राहुल गांधी ने कहा, मैंने अपना करियर एक प्रबंधन सलाहकार के रूप में शुरू किया और मैं समझता हूं कि किसी व्यवसाय को सफल बनाने के लिए किस तरह की चीजों की आवश्यकता होती है। इसलिए मैं बस दोहराना चाहता हूं, मैं व्यापार विरोधी नहीं हूं, मैं एकाधिकार विरोधी हूं। वीडियो के साथ अपने पोस्ट में गांधी ने कहा, मैं नौकरियों का समर्थक हूं, व्यापार का समर्थक हूं, नवाचार का समर्थक हूं, प्रतिस्पर्धा का समर्थक हूं। मैं एकाधिकार का विरोधी हूं। राहुल गांधी ने अपने लेख में क्या लिखा था?- दरअसल, राहुल गांधी का %भारतीय कारोबार के लिए एक सौदा% शीर्षक के साथ लेख एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित हुआ। इसे उन्होंने अपने आधिकारिक %एक्स% खाते पर साझा करते हुए लिखा, %अपना भारत चुनिए- नौकरियां या कुलीन तंत्र? योग्यता या संबंध? नवाचार या डराना-धमकाना? पैसा बहुत लोगों के लिए या कुछ लोगों के लिए? मैंने इस पर लिखा है कि क्यों कारोबार के लिए नया सौदा एकमात्र विकल्प नहीं है।

गरीब बच्चों को लेकर संजीदा योगी सरकार, सवा लाख का स्कूलों में कराया प्रवेश, दो वर्ष में भरी 436 करोड़ फीस

यूपी की योगी सरकार ने दो वर्षों में गरीब बच्चों की 436 करोड़ रुपये की फीस भरी। शैक्षिक सत्र 2024-25 में आरटीई के तहत 1,14,196 बच्चों का प्रवेश कराया गया। राज्य भर के पांच लाख से अधिक बच्चे निजी विद्यालयों में शिक्षा ले रहे हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार गरीब और लाभ से वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से लगातार प्रयासरत है। इस दिशा में मुफ्त शिक्षा उपलब्ध कराने के अभियान के तहत लाभान्वित बच्चों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। शैक्षिक सत्र 2022-23 में 71,214 बच्चों के मुकाबले सत्र 2024-25 में इस योजना के अंतर्गत 1,14,196 बच्चों का नामांकन हुआ है। यह पिछले वर्षों की तुलना में एक बड़ा उछाल है। इसके अतिरिक्त, वर्तमान में राज्य भर के 5 लाख से अधिक बच्चे निजी विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इस उपलब्धि के लिए योगी सरकार ने बच्चों की शिक्षा में निवेश को बढ़ावा दिया है। पिछले दो वित्तीय वर्षों में 436 करोड़ रुपये की फीस प्रतिपूर्ति का भुगतान किया गया है, जिससे विद्यालयों को इन बच्चों को बिना किसी बाधा के प्रवेश देने में सहायता मिली है। बच्चों को शिक्षा का अधिकार देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध- योगी सरकार का यह कदम न केवल गरीब एवं अलाभित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ रहा है, बल्कि उनके भविष्य को भी संवारने में योगदान दे रहा है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और सतत सुधार से स्पष्ट है कि सरकार प्रदेश के वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा का अधिकार देने के लिए प्रतिबद्ध है। योगी सरकार ने योजना का विस्तार कर दर्शायी प्रतिबद्धता- योगी सरकार गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के उद्देश्य से हर संभव प्रयास कर रही है। सरकार में आते ही वर्ष 2017 में आरटीई अधिनियम के इस

योजना का विस्तार किया गया। प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए एनआईसी (नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर) द्वारा एक ऑनलाइन पोर्टल लांच किया गया। इससे नामांकन प्रक्रिया को डिजिटल और अधिक प्रभावी बनाया गया। इसके बाद सत्र 2020-21 से इस योजना का विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में भी हुआ, जिससे पूरे राज्य के अधिक से अधिक बच्चों को इसका लाभ मिलना सुनिश्चित हुआ। परिणामस्वरूप, अभिभावक अब अपने निकटवर्ती विद्यालयों में ऑनलाइन आवेदन कर रहे हैं और इस योजना का अधिक लाभ ले रहे हैं। अधिक नामांकन और रिकॉर्ड फीस प्रतिपूर्ति - शैक्षिक सत्र 2022-23 में 71,214 बच्चों का नामांकन हुआ था, जो 2024-25 में बढ़कर 1,14,196 हो गया। साथ ही, राज्य के पांच लाख से अधिक बच्चे अब निजी विद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं। इस सफलता के लिए सरकार ने बच्चों की शिक्षा में निवेश को बढ़ाया और केवल पिछले दो वित्तीय वर्षों में ही 436 करोड़ रुपये की फीस प्रतिपूर्ति का भुगतान किया है। इससे विद्यालय अब ऐसे बच्चों को निर्बाध प्रवेश दे रहे हैं। चरणबद्ध नामांकन प्रक्रिया से सुनिश्चित हो रही है पारदर्शिता- संदीप सिंह- योगी सरकार के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने बताया कि आरटीई के तहत बच्चों का समय पर नामांकन सुनिश्चित करने के लिए सत्र 2025-26 के लिए चार चरणों में आवेदन प्रक्रिया का निर्धारण किया गया है, जो क्रमशः दिसंबर, जनवरी, फरवरी और मार्च की एक तारीख से शुरू होकर से उस महीने की 19 तारीख तक चलेगी। प्रत्येक चरण के लिए लॉटरी और नामांकन की तारीखें तय हैं। इससे आवेदन प्रक्रिया में कोई देरी नहीं होनी चाहिए। आवेदन के दौरान अभिभावकों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए विभिन्न जिलों में हेल्पडेस्क की व्यवस्था है। एनएसएस और एनसीसी के स्वयंसेवकों की मदद से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरुकता और आवेदन प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन भी सहयोग कर रहा है। इससे आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेजों की सुविधा प्रदान कर नामांकन प्रक्रिया को सरल बनाया जा रहा है।

संपादकीय Editorial

Buses ran during the festival season

If the loss-making Himachal Path Parivahan Nigam was able to take some economic breaths during the festival season, then its meaning should be understood seriously. If government buses can earn Rs 76 crore in October, then why are they breaking down in other months. Actually, if the corporation understands the demand for Himachali transport and works accordingly, then a system of earning can be made, but the pattern and basis on which HRTC sets its priorities, all the hard work is going waste in the scattering of losses. It is difficult to establish any ideal, considering the average number of staff and officers appointed on a bus. Obviously, government buses carried more passengers on inter-state routes in October, but if there was a complete alternative to this service, then the story would have become secondary. This is because the condition of government buses is bad even on long routes. Are the hopes of Himachalis sitting far away in the earnings of October or the way back is covered anyway. Every weekend, in the sharing capacity of private small vehicles, the available apps are providing so many destinations, this is a strong option of modern transport. Himachal, which travels on private Volvo buses every day, connects tourism and tourists with itself. So, if the month of October was promising for HRTC, then why does the hope of transportation sit on private buses every day. If the earnings and number of private buses running to different states in the month of October kept themselves the first choice, then obviously, the capacity of transportation should also be accounted for in that calculation. Volvo buses running from major tourist places have looted Delhi this time too, so nothing will be gained by wiping tears in this competition. Especially the seats of Volvo buses losing to government service, government behavior, maintenance and passenger facilities are seen as weak. No doubt HRTC is the vehicle of the common Himachali, but why the share of government buses is decreasing in the increasing capacity of tourism, this has to be thought over. If HPTDC and HRTC join hands and show the skill of joint marketing by combining the capabilities of both, then there will be economic light for both in every aspect of tourism. For example, if the Transport Corporation ensures a day trip in HRTC's travel package and arranges night stay in a government hotel, then the private sector will also have to work hard to match this pairing. All the bus stands near HRTC can become tomorrow's malls, mega parking lots and tourist centers, provided the approach to the use of properties changes. HRTC can create a unique harmony between the passenger and the travel by setting up a chain of restaurants in the state on its own. Similarly, if HRTC invests in property to provide passenger facilities on interstate routes, then the trust with government buses will increase. The standards of success of HRTC cannot be different, nor will it be able to move forward without looking at private transport. By giving the status of industry to the entire transport sector of the state, to lead the Transport Corporation, public trust, innovation, energy, passenger sensitivity and business objectives will have to be earned.

Donald Trump created new history, better performance than 2020

Trump made rising inflation, increasing influx of foreigners on the southern border and global instability an issue. Harris tried her best to distance herself from Biden's failures but she could not succeed in that. Harris and Trump also had opposite views on immigration, trade, cultural issues and foreign policy, where American voters preferred to give their verdict in favor of Trump. Donald Trump's historic victory in the US presidential election says a lot. It shows that the close contest that was predicted in the election was not actually like that. Trump improved his performance of 2020, while Democratic candidate and Vice President Kamala Harris could not even match Biden's performance in the last election. Trump made a tremendous political comeback and ensured a second term. The doors of the White House started opening for Trump only when he won the fort of Georgia again, which he had lost by a narrow margin in 2020. His victory in North Carolina wrote the script for Kamala Harris's defeat. Harris could not do anything special even in the fiercely contested states like Pennsylvania, Arizona, Michigan, Wisconsin and Nevada, which were very important for her victory. Unlike his 2016 victory, this time Trump was successful in winning the popular vote as well. The Republican Party has been able to achieve this feat in elections after 1992. Naturally, Trump described the victory as spectacular and told the supporters in his victory speech, 'America has given an unprecedented and strong mandate.' Four years ago, Trump had to bid farewell to Washington in very uncomfortable circumstances. After Grover Cleveland in 1892, he is the first President who has been re-elected after a gap of four years. In this sense also, he has created a new history. The comeback of Trump, who was caught in many legal troubles and faced impeachment twice in his first term and left the presidency with a rating of less than 40 percent, cannot be underestimated in any way. This is a big achievement. This was a very extraordinary election in American history, in which a candidate, i.e. Trump, was attacked twice and a criminal trial was also seen, while the Democrat camp nominated Kamala Harris in place of Biden in the last round. The lowest level of discussions and taunts was seen in the election campaign and political polarization was at its peak. Even in this scenario, the Republican Party managed to perform well. It not only defeated the Democrats in the presidential election, but is also likely to dominate the US Senate as well as the House of Representatives. This will mean that there will be no legislative obstacle in President Trump's agenda. Trump's victory is very comprehensive and with his help many Republicans in both the houses have sailed through. He has reshaped the party's image and its stars on his own. The stakes were so high for both camps in this election that they left no stone unturned in mobilizing the voters. This is the reason why this was the highest voter turnout election in modern American history. These elections have also broken many taboos. It was believed that Harris would get a lot of support from women, but the real picture was not like this. Although according to the exit polls, most women were in her favor, she could not even match the 57 percent of women's votes received by Biden in 2020. It was also surprising that one-third of American voters in black, Latin and Asian groups voted for Trump, while there was a slight decline in his support among white voters. This introduces the new realities related to American demography along with the change in the traditional choice of voters. Due to this, the complexion of American politics has changed in recent years and it is also visible in the support base of both the parties. While the Republican Party is increasing its penetration among physical labor workers and low-income voters, the Democrats are becoming more dependent on educated youth and high-income classes. The Democratic Party no longer looks like what it was identified with. This election also showed that the Democrats have stopped raising the voice of most Americans and they have no plan to expand their scope. Overall, it remained a party of Hollywood celebrities, which had no connection with the public. On the other hand, Trump's campaign was very well planned and he highlighted the shortcomings of the Biden-Harris administration and capitalized on them. Trump made rising inflation, increasing influx of foreigners on the southern border and global instability an issue. Harris tried her best to distance herself from Biden's failures, but she could not succeed in that. Harris and Trump also had opposite views on immigration, trade, cultural issues and foreign policy, where American voters preferred to give their verdict in favor of Trump. In his first term, Trump had dramatically changed the equation of America's activism with the world on both economic and strategic fronts. The recent exit poll also reflected that in the era of widespread global instability along with the ongoing fighting in Ukraine and Gaza, only four percent of American voters were concerned about foreign policy. Global structure Che's view has profound implications for America's inward-looking approach. Since India is better placed on this front, there is every possibility that New Delhi will be better able to adapt to changes in American strategic priorities. A strong partnership with the US is at the core of contemporary Indian foreign policy. India too will have to adapt to changes in US domestic politics. Trump's victory in 2024 with a much broader mandate shows that his victory in 2016 was no fluke. It also signals the beginning of a major shift in America's engagement with the rest of the world. Trump's victory will impact the world as well as the US.

Open license to loot in the name of Waqf, will the opposition accept such a law for other communities as well?

Justice demands that there should be a similar act for all communities as there is a Waqf Act for the Muslim community. The initiative being taken by the Central Government to amend the existing Waqf Act and which is being considered by the Joint Committee of Parliament i.e. JPC, is not at all satisfied with the functioning of the opposition MPs. It is not known whether the practice of placing handkerchiefs, bags etc. on train and bus seats and staking claim on them still exists or not, but it has come to light that the Waqf Board is still doing this. They send notices on the land and property they want and stake their claim on it. The latest proof of this was again found when notices were sent to farmers of Vijayapura, Kalaburgi, Bidar etc. districts of Karnataka, saying that their land is now the property of the Waqf. Along with sending notices, when the news of the work of changing the ownership of the farmers' land starting came, there was a stir among them. He started pleading with the leaders of the ruling and opposition parties and thus the issue of arbitrary action by the Waqf Board came to light. The extent of this arbitrary action can be gauged from the fact that notices were sent to the farmers of Honavada village in Vijayapura district alone declaring their 1,500 acres of land as Waqf property. When the BJP gave importance to this issue, the government came into action and Chief Minister Siddaramaiah himself said that the notices sent to the farmers will be withdrawn. The Karnataka government said that the notices were sent to the farmers due to the mistake of the officials, but there is no news about what action was taken against those due to whose mistake notices were issued declaring the land of thousands of farmers as Waqf land. The government also clarified that only 11 acres of land in Honavada village belongs to the Waqf, the rest belongs to the farmers, but the farmers say that even out of these 11 acres, 10 acres of land is the place where they perform the last rites of their people. They say, can't we die in peace after losing our farms? It is alleged that Waqf and Minority Welfare Minister Zameer Ahmed Khan, in view of the initiative to change the Waqf Act, hurriedly sent notices to thousands of farmers to declare their land as Waqf land. Those working under him were in such a hurry that they sent notices to Muslim farmers as well. Not only this, notices were also issued to declare many historical buildings under the protection of the Archaeological Survey of India as Waqf property. This is not the first time that the Waqf Board of a state has arbitrarily declared someone else's land, building etc. as Waqf property. Everyone will be familiar with the case of Tamil Nadu, in which the Waqf Board had staked its claim on almost the entire land of a village. There is a 1,500-year-old temple in Tiruchenthurai village of Tiruchirapalli district. Some time ago, the Waqf Board claimed that the temple and all the land around it belonged to the Waqf. The Waqf Board did not have any proof in support of its claim, but it issued a notice and claimed almost the entire village. The villagers came to know about the arbitrariness of the Waqf Board when a farmer took the initiative to sell his land. When the matter was investigated, the claim of the Waqf Board was found to be fake. The investigation also revealed that the Waqf Board had prepared fake documents. The inscription of a 1,500-year-old temple also exposed the Waqf Board. It should be noted that Islam had not even emerged 1,500 years ago and it came to India much later. In recent times, there have been many examples of the arbitrariness of the Waqf Boards. These have been seen from South India to North India. Even after this, the initiative to amend the Waqf Act is being opposed. This opposition is being done not only by the religious leaders of the Muslim community, but also by the leaders of most opposition parties. If the opposition leaders are to be believed, there is no flaw in the existing Waqf Act and hence no amendment is required in it. If this is indeed the case, will they advocate for a Sanatan Bhumi Act on the lines of the Waqf Act, so that the Hindu community can also protect and regulate its monastery, temples and their lands? Justice demands that there should be a similar act for all communities, just as there is a Waqf Act for the Muslim community. The opposition MPs are not at all satisfied with the functioning of the initiative being taken by the Central Government to amend the existing Waqf Act and which is being considered by the Joint Committee of Parliament, i.e. JPC. This is the reason why there is a ruckus in the meetings of the JPC. The opposition members are so angry with the attitude of the JPC chairman that they are threatening to boycott it. It is not known what their objection is, but if they want that there should be no amendment or change in the Waqf Act even after the case of Vijayapura district of Karnataka has come to light, then this cannot be accepted. The country cannot deliberately swallow a live fly. Denying this is a deliberate deception to oneself as well as the country that no changes are needed in the existing Waqf law. Such changes must be made in this law so that on one hand the Waqf Boards cannot act arbitrarily and on the other hand the misuse of Waqf properties stops.

आगामी सत्र में पुस्तकों व पाठ्यक्रम में बदलाव न हो, मंडलायुक्त से मिला मुरादाबाद पेरेंट्स ऑफ ऑल स्कूल का प्रतिनिधिमंडल

मुरादाबाद पेरेंट्स ऑफ़ आल स्कूल का प्रतिनिधिमंडल मंडलायुक्त से मिला

मुरादाबाद। मुरादाबाद पेरेंट्स ऑफ ऑल स्कूल के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को मंडलायुक्त आन्जनेय

कुमार सिंह से मुलाकात की। उन्हें ज्ञापन दिया। अध्यक्ष अनुज गुप्ता ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि आने वाले सत्र 2025-26 में पुस्तकों और पाठ्यक्रम में बदलाव न हो। पूर्व में अभिभावकों और संगठन के द्वारा जो भी शिकायतें हुई हैं उनमे आखिर कब कार्यवाही होगी? उन्होंने पूर्व में जो जांच समिति की रिपोर्ट आई थी उस रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदार अधिकारी और स्कूलों पर भी जल्द कारवाई की मांग मंडलायुक्त से की। प्रतिनिधिमंडल ने एनसीईआरटी की किताबों से ही स्कूलों में पढ़ाई कराने की मांग की। इस मौके पर अध्यक्ष अनुज गुप्ता के अलावा सचिव अंकित अग्रवाल, मनु मेहरोत्रा , पुष्कर ,अग्रिम, सौरभ कपूर और अन्य अभिभावक मौजूद रहे।

जमीन कब्जाने में जेल गए कार्यकर्ता अब्दुल गनी के समर्थन में रुचि वीरा, पुलिस और मीडिया पर भड़कीं...

मुरादाबाद।सपा सांसद रुचि वीरा जमीन कब्जाने के मामले में जेल गए कार्यकर्ताअब्दुल गनी के सपोर्ट में आईं हैं। उन्होंने प्रेसवार्ता कर मीडिया कर्मियों से कहा कि पुलिस ने अब्दुल गनी के साथ ज्यादती की है। उन्होंने अपनी भड़ास निकलते हुए कहा कि मीडिया ने मेरी छवि धूमल की है इसलिए मैं मीडिया पर मानहानि का कस करुंगी और उच्चाधिकारियों से शिकायत करुंगी। रुचि वीरा ने मीडिया से कहा कि अब्दुल गनी उनका पीए या पीआरओ नहीं है। अब्दुल गनी पार्टी और मेरा कार्यकर्ता है। लेकिन, वो मेरा पीए नहीं है। फरहान सरताज की पत्नी के भूखंड पर कब्जा करने की कोशिश में भोजपुर पुलिस ने ख्वाजा नगरी किसरौल थाना नागफनी निवासी अब्दुल गनी को बुधवार को गिरफ्तार किया था। पीड़ित फरहान सरताज ने अपने साथ मारपीट और जमीन कब्जाने के मामले में भोजपुर थाने में मंगलवार को रिपोर्ट लिखाई थी। जिसमें कहा था कि उनकी बीवी का एक भूखंड भोजपुर क्षेत्र में रसूलपुर नंगला खेम में है। खुद को सपा सांसद रुचि वीरा का पीआरओ बताने वाले अब्दुल गनी ने मंगलवार को इस भूखंड पर कब्जा करने की कोशिश की थी। विरोध करने पर फायरिंग भी की, जिसमें वो बाल-बाल बचे। जमीन कब्जाने के मामले में जेल गए अब्दुल गनी के समर्थन में सपा सांसद रुचि वीरा ने कहा कि अब्दुल गनी मेरा और पार्टी का कार्यकर्ता है। जब कोई मामला होता है, तो जिम्मेदार व्यक्ति की जिम्मेदारी होती है कि वो अपने कार्यकर्ता की बात सुने और मदद करे। जिस स्तर का झगड़ा हुआ था यदि उसी स्तर की रिपोर्ट लिखी जाती तो मुझे एतराज नहीं था। लेकिन, एफआईआर बढ़ाचढ़ाकर लिख दी गई। अब्दुल गनी थाने पर अपनी फरियाद लेकर पहुंचा था। लेकिन उसे थाने पर बैठा लिया गया। उसके साथ मारपीट की गई। इस मामले में दूसरे पक्ष का जो मेडिकल है उसमें सिर्फ मारपीट की धाराएं बनती हैं। लेकिन पुलिस ने अब्दुल गनी के ऊपर हत्या के प्रयास की धारा भी लगा दी है और उसके गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

सपा प्रत्याशी हाजी रिजवान की पुलिस से झड़प, बोले- लोकतंत्र का घोटा जा रहा गला...

मुरादाबाद। कुंदरकी समाजवादी पार्टी से प्रत्याशी उलझते हुए वीडियो वायरल पर उत्पीड़न का आरोप लगा का गला घोट जा रहा है। कुंदरकी प्रत्याशी थाने के करते हुए दिख रहे हैं। प्रत्याशी का आरोप लगा रहे हैं। कोई चुनाव नहीं रह गया है। हाजी रिजवान वीडियो में चलाओ हम पर, गोली

विधानसभा में हो रहा है उपचुनाव में हाजी रिजवान का पुलिस वालों से हो रहा है। जिसमें हाजी रिजवान पुलिस रहे हैं और कह रहे हैं की खुलेआम लोकतंत्र वायरल वीडियो में समाजवादी पार्टी के बाहर कुछ पुलिस वालों से कहा सुनी हाजी रिजवान पुलिस पर उत्पीड़न करने वीडियो में हाजी रिजवान कह रहे हैं कि लोकतंत्र का गला घोटा जा रहा है। वहीं दरोगा से कहते हुए दिख रहे हैं की लाठी चलाओ हम तैयार हैं।

शबाबुल हत्याकांड : मां के उकसाने पर नाबालिग बेटे ने की थी उप प्रधानाचार्य की हत्या, बोला- मुझे उसकी मौत का अफसोस नहीं

मुरादाबाद। उप प्रधानाचार्य की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्याकांड को अंजाम देने वाला नाबालिग निकला। नाबालिग ने भाई की मौत का बदला लेने के लिए मां के उकसाने पर दोस्त से बाइक चलवाई और खुद गोली मारकर पैदल जा रहे उप प्रधानाचार्य की हत्या कर दी। बुधवार को पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए वारदात की साजिश रचने वाली महिला, उसके 2 बेटों और नाबालिग के दोस्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। थाना मझोला के लाकड़ी फाजलपुर निवासी शबाबुल आलम (28) रोजाना की तरह बीते मंगलवार की सुबह घर से लगभग 200 मीटर दूर स्थित स्कूल के लिए पैदल जा रहे थे। तभी पीछे से बाइक सवार दो युवक आ गए, उनमें से पीछे बैठे युवक ने तमंचा निकाल कर शबाबुल के सिर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई थी। हत्या की सूचना के बाद एसएसपी सतपाल अंतिल, एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह, सीओ अर्पित कपूर समेत अन्य अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण किया था और फॉरेंसिक विभाग की फील्ड यूनिट से घटना स्थल पर जांच पड़ताल कराई पुलिस ने दो नामजद आरोपी शिवम राघव और नाबालिग पड़ताल के दौरान शुरुआती पूछताछ में पुलिस को यकीन हत्यारोपी महानगर के नामी स्कूल का 10वीं का छात्र एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि लाकड़ी को थाना मझोला क्षेत्र की आफत नगरी निवासी कविता, दोस्त हर्ष चौधरी निवासी एकता कॉलोनी थाना मझोला ने बताया कि उसका छोटा बेटा प्रिंस राघव श्री साईं को उसने स्कूल में वाइस प्रिंसिपल शबाबुल को एक गुस्साए शबाबुल और महिला टीचर ने उसकी पिटाई थी। वह अपने बेटे की मौत का बदला लेने के लिए सुनवाई नहीं हो रही थी। जिसके बाद उसने अपने दोनों रची। महिला ने अपने दोनों बेटे और उनके दोस्त हर्ष के दिन दोनों बेटे अपने दोस्त को लेकर लाकड़ी फाजलपुर दौरान स्कूल के पास आकर बाइक पर पीछे बैठे महिला इसके बाद दोनों वहां से भाग गए और घटनास्थल से

थी। इस मामले में मृतक के भाई रियाजुद्दीन की तहरीर पर भाई के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच ही नहीं हुआ कि उप प्रधानाचार्य को गोली मारने वाला निकलेगा। बुधवार को पुलिस लाइन में हुई प्रेसवार्ता में फाजलपुर निवासी शबाबुल आलम की हत्या में बुधवार उसके बेटे शिवम राघव, दूसरे नाबालिग बेटे और बेटे के को गिरफ्तार किया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी कविता विद्या मंदिर स्कूल में दसवीं कक्षा में पढ़ता था। 13 फरवरी महिला टीचर के साथ बातचीत करते देख लिया था। इससे कर दी थी। जिससे परेशान होकर बेटे ने आत्महत्या कर ली शबाबुल को सजा दिलाना चाहती थी, लेकिन उसकी कहीं बेटों को उकसाया और शबाबुल की हत्या की साजिश साथ मिलकर हत्याकांड की साजिश रची। घटना वाले पहुंच गए थे। शिवम की बाइक को हर्ष चला रहा था। इसी के नाबालिग बेटे ने शबाबुल के सिर में गोली मार दी थी। कुछ ही दूरी पर खड़े शिवम को बाइक पर बैठाकर फरार हो गए थे। पुलिस ने कविता, उसके बेटे शिवम, दोस्त हर्ष व नाबालिग बेटे को गिरफ्तार कर लिया। जिनके पास से एक तमंचा, कारतूस, घटना में इस्तेमाल की गई बाइक व 5 मोबाइल बरामद किए। जिसके बाद पुलिस ने कविता, शिवम और हर्ष को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है, जबकि चौथे नाबालिग आरोपी को राजकीय संप्रेक्षण गृह में भेजा गया है। नाबालिग बोला- मुझे शबाबुल की मौत का नहीं अफसोस- बीते मंगलवार की सुबह हुई उप प्रधानाचार्य शबाबुल की हत्या के बाद ही कविता और उसके बेटों पर इस हत्याकांड के आरोप लगने लगे थे। लेकिन 15 साल के नाबालिग को जब पुलिस ने पकड़ा तो उसे यकीन नहीं हुआ कि यह मासूम सा दिखने वाला लड़का किसी की हत्या कर सकता है। गोली मारने वाला नाबालिग पढ़ाई लिखाई में भी बेहतर है। इसलिए पुलिस उससे नरमी से पेश आई। लेकिन पहले ही सवाल पर नाबालिग बोला कि हां मैंने ही उसे मारा है। उसे तो मरना ही था, क्योकि उसने मेरे भाई को जो मारा था। मुझे उसकी मौत का अफसोस नहीं है। पति 3 साल से उड़ीसा की जेल में है बंद- जिस महिला ने अपने बेटे की मौत का बदला लेने के लिए अपने ही दो बेटों से से उप प्रधानाचार्य शबाबुल की हत्या कराई है। उसका पति रंटू राघव पिछले 3 सालों से उड़ीसा की जेल में बंद है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि महिला का पति रंटू राघव एनडीपीएस एक्ट में 3 साल से उड़ीसा जेल में बंद है। पति के जेल जाने के बाद लगभग 3 साल पहले कविता राघव अपने बच्चों को लेकर मुरादाबाद के मझोला की आफत नगरी में रहने लगी थी। कविता करती थी घरों पर काम, शिवम मकानों में लगाता था पीओपी- बेटों को उकसा कर शबाबुल की हत्या करने वाली महिला कविता खुद घरों में काम करती थी। जबकि उसका बड़ा बेटा शिवम राघव मकानों में पीओपी का काम करने लगा। मां और बड़ा भाई मिलकर हत्या करने वाले नाबालिग को नामी स्कूल में पढ़ा रहे थे, जिसमें वह 10 वीं का छात्र है।मां कविता राघव का आरोप था कि शबाबुल ने प्रिंस को स्कूल में टॉर्चर किया था। जिसकी वजह से ही उसने आत्महत्या की थी। तभी से कविता राघव अपने छोटे बेटे की मौत का बदलना लेने की कोशिशों में जुटी थी। बेटों से कहती थी कविता, भाई की मौत का बदला नहीं लोगे- नाबालिग बेटे से शबाबुल की हत्या कराने वाली कविता राघव अपने छोटे बेटे प्रिंस की मौत बदला लेने के लिए अक्सर अपने बड़े बेटों शिवम और नाबालिग बेटे को शबाबुल की हत्या के लिए उकसाती थी। कविता हमेश अपने बेटों से कहती थी कि तुम्हारे छोटे भाई को उसने मार डाला। क्या तुम अपने भाई की मौत का बदला नहीं लोगे। मां के रोजाना तानों से आजिज आ चुके शिवम ने अपने नाबालिकग भाई के साथ मिलकर 2 महीना पहले ही शबाबुल की हत्या की योजना बनाई थी। कविता लगातार इस प्लानिंग में बेटों को गाइड कर रही थी। मुरादाबाद में एकता विहार मंडी समिति में रहने वाला नाबालिग का दोस्त हर्ष चौधरी भी इस प्लानिंग में शामिल था। वो भी अपने नाबालिग दोस्त को उकसाता था कि उसे अपने भाई की मौत का बदला लेना चाहिए। खुलासा करने वाली टीम को मिला 25 हजार का इनाम- उप प्रधानाचार्य शबाबुल की हत्याकांड का खुलासा थाना मझोला के प्रभारी निरीक्षक मोहित चौधरी ने अपनी टीम के साथ मिलकर किया है। उनकी टीम में निरीक्षक शैलेंद्र कुमार, निरीक्षक रमेश कुमार, एसओजी प्रभारी अमित कुमार, सर्विसलांस प्रभारी अनिल कुमार, दरोगा योगेश कुमार, सिपाही दीपक कुमार व नरेश कुमार शामिल है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि हत्याकांड का जल्द ही खुलासा करने पर एसएसपी सतपाल अंतिल ने पूरी टीम को 25 हजार का इनाम देने की घोषणा की है।

संक्षिप्त समाचार

विज्ञान के सर्वश्रेष्ठ मॉडल बनाने वाले छात्रों को अंसार इंटर कॉलेज में क्या सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच-यूसुफ सिटी

मुरादाबाद- विद्यालय अंसार इण्टर कालिज में विज्ञान के सर्वश्रेष्ट मॉडल बनाने वाले छात्रों को जिन्होंने समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदशनी में प्रतिभाग कर प्रमाण पत्र भी प्राप्त किये थे, विद्यालय के प्रधानाचार्य ने स्टेज पर सम्मानित किया । विद्यालय के विज्ञान शिक्षक श्री गुलरेज वारेसि को भी उनके द्वारा दिये गये मार्गदर्शन के लिए सम्मानित किया गया साथ ही प्रधानाचार्य द्वारा छात्रों को विद्यालय में होने वाली सभी प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के लिये प्रोत्साहित किया। छात्रों का विवरण निम्नलिखित है (1) साहिल 1ङ्क क्र(2) भौ. नूर ङ्क] जूनियर वर्ग (1) सलमान शकील सीनियर वर्ग (2) अब्दुल सकूर सभी को सम्मानित किया गया इस अवसर पर जनाब जावेद अनवर मनोहर पाल सिंग मेराज अनवर साहब मोहम्मद आसिफ गुरेज वारिस मुख्तार हुसैन फरहा दीबा अन्य टीचर्स उपस्थित रहे

बेटियों को आगे बढ़ाएं, देश भी बढ़ेगा...सामूहिक विवाह एवं सम्मान समारोह में बोले हिमाचल के राज्यपाल

मुरादाबाद- हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने कहा कि अब बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहीं हैं। हरियाणा ऐसा राज्य था जहां लोग बेटियों को जन्म ही नहीं देना चाहते थे। आज वहां की बेटियां ओलंपिक पदक लेने का काम कर रही हैं। हाई स्कूल और इंटर बोर्ड का जब परीक्षाफल आता है तो आज भी समाचार पत्रों में यही छपता है- एक बार फिर बेटियां आगे। प्रधानमंत्री ने भी बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ का नारा देकर बेटियों को आगे बढ़ाने का काम किया है। वह गुरुवार को महानगर के खुशहालपुर स्थित एक बैंक्वेट हाल में चैरिटेबल ट्रस्ट %आओ हाथ बढ़ाएं-एक पहल मदद की% ओर से आयोजित सामूहिक विवाह एवं सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने लोगों से अपील किया कि आप लोग भी बेटियों को आगे बढ़ाएं, निःसंदेह इससे देश भी आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यों के लिए सभी समाज को आगे आना चाहिए। समाज आगे बढ़ेगा तो देश आगे बढ़ेगा। बेटियां आगे बढ़ेंगी तो देश की तरक्की होगी। राज्यपाल ने ऐसे समारोह के लिए 'आओ हाथ बढ़ाएं-एक पहल मदद की' चैरिटेबल ट्रस्ट को धन्यवाद दिया और ट्रस्ट की अध्यक्ष से कहा कि ऐसे आयोजन करती रहें।हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल ने कहा कि आज जो बेटियां नया स्टार्टअप चालू करना चाहती हैं उन्हें एक करोड़ रुपए का लोन बिना किसी जमानतदार के मिल रहा है। इस तरह के कई कार्यक्रम बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए चल रहे हैं। उन्होंने महानगर के प्रबुद्धजनों से कहा कि समाज के लिए कुछ करें। आप सभी की जिम्मेदारी है। सामूहिक विवाह समारोह बहुत बड़ा सामाजिक कदम है। राज्यपाल की उपस्थिति से गुरुवार का दिन आर्थिक रूप से कमजोर 11 बेटियों के लिए खुशियां लेकर आया। इन बेटियों को न सिर्फ जीने का सहारा मिल गया बल्कि जीवन साथी भी। आयोजन में मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला अपनी पत्नी जानकी शुक्ला के साथ शामिल हुए। ट्रस्ट की अध्यक्ष गीतांजलि पांडेय ने बताया कि जिन बेटियों के लिए शादी समारोह का आयोजन किया गया था उनमें कुछ के मां-बाप ही इस दुनिया में नहीं थे। कुछ के पिता नहीं थे तो कुछ की मां नहीं थीं। कुछ बेटियां ऐसी थीं जिनके परिजन कोरोना संक्रमण काल में काल कवलित हो गए थे। ऐसी बेटियों के लिए जब ट्रस्ट के सदस्यों ने मां-पिता, मामा-मामी, भाई-बहन और दादा-दादी के साथ ही बुआ और फूफा भूमिका निभाई तो वह फफक कर रो पड़ीं। आयोजन में अति विशिष्ट अतिथि महापौर विनोद अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि मुरादाबाद शहर विधायक रितेश गुप्ता, गोरखपुर जर्नलिस्ट प्रेस क्लब के अध्यक्ष मार्कंडेय मणि त्रिपाठी ने भी वर-वधुओं को आशीर्वाद दिया। परिवार के साथ इन बेटियों का कन्यादान किया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सामूहिक विवाह एवं सम्मान समारोह का आयोजन हिमाचल प्रदेश राज्यपाल ने 11 जोड़ों को दिया आशीर्वाद

मुरादाबाद के बाइट हाउस में 11 जोड़ों का सामूहिक विवाह हुआ संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच - अज़हर अली

मुरादाबाद में आओ हाथ बढ़ाएं एक पल मदद की ओर चैरिटेबल ट्रस्ट की संचालिका गीतांजलि पांडे के द्वारा 11 जोड़ों का सामूहिक विवाह विधि विधान पूर्वक संपन्न कराया गया है दरअसल उनका कहना है कि हमारे संस्था द्वारा गरीब परिवार की बेटियों की शादी करने का काम करती है हम पूरी जांच पड़ताल घर-घर जाकर देखते हैं जो परिवार गरीब होता है जो अपनी बेटियों की शादी नहीं कर पाता उनको हमारी संस्था के द्वारा शादी कराई जाती है और जो जरूरतमंद चीजे होती हैं वे भी उपलब्ध कराई जाती हैं इस सामूहिक विवाह समारोह कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिवकुमार शुक्ला, नगर विधायक रितेश गुप्ता , महापौर विनोद अग्रवाल , अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला मंत्री महानगर मोहम्मद अय्यूब सैफी सहित भारी संख्या में लोगों ने पहुंचकर बर बधु को आशीर्वाद दिया

हमने मन में ठाना है,मिशन शक्ति को हथियार बनाना है -अरबिंद बाबू

क्यूँ न लिखूँ सच

सेंथल। मिशन शक्ति अभियान पेज पांच के अंतर्गत महिला सुरक्षा के लिए एस आई अरबिंद बाबू के नेतृत्व में विशेष दल थाना हाफिजगंज द्वारा मेहंदिया इंटर कॉलेज सेंथल में वृहस्पतिवार को अध्यापक - अध्यापिकाओं, छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया । जिसमें महिलाओं के साथ मारपीट करना, बालिकाओं के साथ गुडटच, बेड टच करना ,लड़कियों के साथ छेड़छाड़ करना ,अभद्र टिप्पणी करना, अश्लील हरकतें करना ,फोन कॉल मैसेज द्वारा ब्लैकमेल करना आदि के बारे में बताया गया । व सरकार द्वारा चलाई जा रहीं सभी योजनाओं की जानकारी दी गई । जैसे कन्या सुमंगला योजना निराश्रित महिला पेंशन योजना मातृशक्ति वंदना योजना आपातकालीन सहायता हेतु टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 वूमेन पावर 1090 एंबुलेंस सेवा 108 स्वास्थ्य सेवा 102 आपातकालीन पुलिस सेवा 112 आदि नंबरों की जानकारी दी ।थाने पर मौजूद महिला हेल्प डेस्क , साइबर हेल्प डेस्क के बारे में बताया गया ।तथा उनकी समस्याओं के बारे में पूछा गया।और उसका जवाब दिया गया है। जिसको लेकर बच्चों ने खुशी जताई। छात्र-छात्राओं ने नारा लगाया हमने मन में ठाना है,मिशन शक्ति हथियार बनाना है।इस मौके पर विद्यालय का तमाम स्टाफ एवं महिला कान्स्टेबल रुपदेई, मीनू सिंह आदि मौजूद रहे।

खून की समस्याओं से जूझ रहे मरीजों को अब बरेली में ही मिलेंगे एक्सपर्ट डॉक्टर, मैक्स हॉस्पिटल पटपड़गंज ने गुरुनानक हॉस्पिटल में शुरू की हेमाटोलॉजी की ओपीडी सेवा

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल पटपड़गंज (नई दिल्ली) ने बरेली में हेमेटोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) की ओपीडी सेवा शुरू की. ये ओपीडी सेवा गुरुनानक हॉस्पिटल में शुरू की गई है. मैक्स हॉस्पिटल पटपड़गंज में हेमाटोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट की एसोसिएट डायरेक्टर डॉक्टर निवेदिता ढींगरा की मौजूदगी में ये ओपीडी सेवा आरंभ की गई. डॉक्टर निवेदिता हर महीने के पहले गुरुवार को दोपहर 12 बजे से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगी. इन ओपीडी सेवाओं के शुभारंभ से बरेली और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को प्राथमिक परामर्श के लिए दूसरे शहरों की तरफ नहीं जाना पड़ेगा. ओपीडी सेवा के लॉन्च पर मैक्स हॉस्पिटल पटपड़गंज में हेमाटोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट की एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. निवेदिता ढींगरा ने कहा, %%भारत की करीब 60 फीसदी आबादी को एनीमिया प्रभावित करता है और कई बार इसके साथ कुछ अन्य ब्लड डिसऑर्डर भी होते हैं जो घातक और माइल्ड दोनों तरह के होते हैं. खून से जुड़ी कुछ आम समस्याओं में कम हीमोग्लोबिन, कम प्लेटलेट काउंट, थैलेसीमिया, एप्लास्टिक एनीमिया, हीमोफीलिया और अन्य ब्लीडिंग समस्याएं होती हैं. इसके अलावा ब्लड कैंसर जैसे मायलोमा, एक्यूट और क्रोनिक ल्यूकेमिया, लिम्फोमा की शिकायत भी ब्लड डिसऑर्डर में आती है. इसके इलाज में कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी, ब्लड कैंसर के लिए बोन मैरो ट्रांसप्लांट, हल्के और घातक ब्लड डिसऑर्डर के लिए टारगेटेड थेरेपी से इलाज किया जाता है. डॉक्टर निवेदिता ढींगरा ने आगे कहा, %%हमारे देश में हर साल कई मिलियन कैंसर के मामले सामने आते हैं, जिसमें ब्लड कैंसर हर गुजरते साल के साथ और आम हो रहा है. ब्लड कैंसर के ज्यादातर मामलों के सबसे प्रभावी इलाज बोन मैरो ट्रांसप्लांट अब लगभग सभी रोगियों के लिए संभव हो गया है. जिन मामलों में कीमोथेरेपी या रेडियोथेरेपी विफल हो जाती है, वहां बीएमटी सबसे कारगर साबित होती है. विशेष रूप से बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) सेंटरों की संख्या बढ़ी है और भारत में हर साल बीएमटी प्रक्रियाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. इससे पता चलता है कि बीएमटी जैसी जीवन रक्षक प्रक्रियाओं तक लोगों की पहुंच आसान हो गई है. इस प्रगति ने तत्काल आधार पर बीएमटी का इंतजार कर रहे मरीजों का वेटिंग पीरियड खत्म हो गया है. मैक्स हॉस्पिटल पटपड़गंज का हेमाटोलॉजी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट विभाग वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से लैस है, यहां बीएमटी के लिए एचईपीए फिल्टर्ड रूम, स्पेशलाइज्ड डॉक्टर और डेडिकेटेड नर्सिंग स्टाफ है. यहां कम रेट पर आईसीयू बैकअप के साथ ट्रांसपेरेंट पैकेज उपलब्ध हैं. बरेली में इस ओपीडी को शुरू करना मैक्स हॉस्पिटल पटपड़गंज का मरीजों के कल्याण के लिए देशभर में हेल्थ केयर सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक बेहतर कदम है. ।।

ताड़का बध की खबर से राक्षस दल में मची हाहाकार

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। थाना हाफिजगंज के कस्बा रिठौरा में चल रही प्राचीन रामलीला मेले में अयोध्या मण्डल से आए कलाकारों ने ताड़का बध लीला के साथ ही मारीच में और सुबाहु बध की लीला का बड़ा ही सजीव संगीतमय मंचन किया।इस दौरान मेला अध्यक्ष चेयरमैन प्रतिनिधि अमित गुप्ता, प्रमोद कुमार गुप्ता पड़ोसी,धनपाल सिंह, राम गुलाम सिंह,पूरनलाल कश्यप, मनोज कश्यप, पूर्व सभासद पप्पू कश्यप,विपिन अवस्थी, सोनू द्विवेदी सहित भारी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

राज्य विज्ञान शिक्षण संस्थान उत्तर प्रदेश प्रयागराज की जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में हुई संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।जिला स्तर पर चयनित छात्र अब मंडल स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी में करेंगे प्रतिभाग राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा प्रायोजित 52 वीं राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2024 के अंतर्गत जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन वृहस्पतिवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बरेली में संपन्न हुआ । कार्यक्रम का शुभारंभ उप शिक्षा निदेशक गजेंद्र सिंह , जिला विद्यालय निरीक्षक देवकी सिंह, वरिष्ठ प्रवक्ता डायट फरीदपुर मनोज , प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज दीप्ति वार्ष्णेय , उपप्रधानाचार्य अनु पाराशरी व जिला विज्ञान समन्वयक देवेंद्र कुमार ने माँ सरस्वती का माल्यार्पण कर दीप प्रज्जुवलन के साथ किया । प्रतियोगिता का मुख्य विषय सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी था एवं सात उपविषय - भोजन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, यातायात एवं संचार, प्राकृतिक खेती , आपदा प्रबंधन, और संसाधन प्रबंधन थे ।यह प्रतियोगिता तीन संवर्गो हुई । जुनियर संवर्ग मे कक्षा 6 से 10 तक के छात्र, संवर्ग में अध्यापकों द्वारा टी0 एल 0एम0 आधारित निर्णायक समिति मे उपेंद्र सिंह सिरोही प्रवक्ता एम कॉलेज ,सुधीर कुमार प्रवक्ता सुभाष इंटर कॉलेज यादव स0 अ 0 आर्य पुत्री इंटर कॉलेज , शगुन गुप्ता गुलाब राय इंटर कॉलेज ने प्रदर्शों -मॉडलों को कई में कल 111 प्रदर्श मॉडल का छात्र-छात्राओं द्वारा अब मंडल स्तर पर प्रतिभा करेंगे । सीनियर वर्ग में उप व द्वितीय स्थान हिमांशु शर्मा , उप विषय भोजन उप विषय यातायात एवं संचार में प्रथम प्रियांशु व उमेश व द्वितीय अनुष्का उप विषय आपदा प्रबंधन में मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल सोच में प्रथम पूनम पटेल स्थान सागर बाबू को प्राप्त हुआ । जूनियर वर्ग में स्थिर दिव्यांशु व द्वितीय स्थान अंशी फरनाज, उप विषय स्थान सोनम , उप विषय प्राकृतिक खेती में प्रथम गणितीय मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल सोच , कचरा प्रबंधन जूनियर संवर्ग, सीनियर संवर्ग, व अध्यापक संवर्ग में संपन्न सीनियर संवर्ग में कक्षा 11 व 12 के छात्र एवं अध्यापक प्रदर्श मॉडलों का प्रदर्शन किया गया । सीनियर वर्ग की बी इंटर कॉलेज , मोना शर्मा प्रवक्ता के डी ई एम इंटर ऑवला एवं जूनियर वर्ग की निर्णायक समिति में नीतू स 0 अ 0 भारत इंटर कॉलेज, धनंजय सिंह स0 अ 0 मापदंडों पर परख कर अपना निर्णय दिया । प्रतियोगिता प्रदर्शन किया गया । जनपद स्तर पर चयनित प्रतिभागी विषय संसाधन प्रबंधन में प्रथम स्थान अक्षारिका सक्सेना स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में प्रथम स्थान सृष्टि द्वितीय नरगिस, द्वितीय राहुल कुमार, उप विषय प्राकृतिक खेती में प्रथम प्रथम कविता व द्वितीय हर्ष कुमार, उप विषय गणितीय व द्वितीय वैष्णवी वर्मा , उप विषय कचरा प्रबंधन में प्रथम मॉडल में उप विषय भोजन एवं स्वच्छता में प्रथम स्थान यातायात एवं संचार में प्रथम स्थान फलक तथा द्वितीय स्थान एना बी तथा द्वितीय स्थान अजय उप विषय गणितीय मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल सोच में प्रथम स्थान एंजेल सिंह, उप विषय कचरा प्रबंधन में प्रथम स्थान अहाना मेहरोत्रा, उप विषय संसाधन प्रबंधन में प्रथम स्थान अमन तथा द्वितीय स्थान कृष्णा को प्राप्त हुए इसी प्रकार जूनियर वर्ग की क्रियाकारी मॉडल में उप विषय प्राकृतिक खेती में प्रथम स्थान कामिनी, उप विषय यातायात एवं संचार में प्रथम स्थान ओवैस खान तथा द्वितीय स्थान केसर, उप विषय प्राकृतिक खेती में प्रथम स्थान देविक जौहरी द्वितीय स्थान आकिब अंसारी , उप विषय आपदा प्रबंधन में प्रथम स्थान अर्जुन सागर व द्वितीय स्थान जेनब , उप विषय गणितीय मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल सोच में प्रथम स्थान ऋषभ भारद्वाज द्वितीय स्थान अरविंद, उप विषय कचरा प्रबंधन में कृतिका तथा द्वितीय स्थान फिरोज पाल, उप विषय संसाधन प्रबंधन में प्रथम स्थान कृष्णा सक्सेना द्वितीय स्थान सना को प्राप्त हुए । अध्यापक संवर्ग में टी एल एम आधारित प्रदर्शन मॉडल में उप विषय भोजन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में प्रथम स्थान खुशबू , उप विषय आपदा प्रबंधन में प्रथम स्थान कल्पवृक्ष रस्तोगी, उप विषय गणितीय मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल सोच में प्रथम स्थान श्रद्धा मौर्य व द्वितीय स्थान अंकित सारस्वत, उप विषय संसाधन प्रबंधन में कृष्ण श्रीवास्तव को प्राप्त हुए । उक्त सभी विजेता अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन मंडल स्तर पर करेंगे एवं मंडल स्तर पर विजई प्रतिभागी राज्य स्तर पर प्रतिभाग करेंगे । उप शिक्षा निदेशक गजेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों से वैज्ञानिक सोच विकसित करने के साथ आडंबरों से दूर रहने का आह्वान किया और कहा छात्र में उनके शिक्षक की छवि दिखती है एवं प्रयोगात्मक कार्य पर अधिक बल दिया । जिला विद्यालय निरीक्षक देवकी सिंह ने बच्चों को भविष्य में आगे बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दी । प्रधानाचार्य श्रीमती दीप्ति वार्ष्णेय ने सभी अधिकारियों का स्वागत किया एवं जिला विज्ञान समन्वयक देवेंद्र कुमार ने विभिन्न विद्यालय से आए शिक्षकों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित अधिकारियों का आभार प्रकट किया । मंच संचालन रजनी यादव एवं अर्चना त्रिवेदी ने किया तथा कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को रजनी सिंह एवं योगिता सक्सेना ने बखूबी संभाला ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

थाना अध्यक्ष अमरिया का गजब कारनामा पीड़िता को जहर खाने के लिए क्या मजबूर

क्यूँ न लिखूँ सच -सुमित गुप्ता

पीलीभीत में प्रेमी के धोखा देने से आहत होकर विषाक्त पदार्थ खाकर अमरिया थाने पहुंची युवती की बुधवार रात बरेली के अस्पताल में मौत हो गई। हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल से बरेली रेफर किया गया था। परिजनों की ओर से पुलिस और जिला अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही बरते जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। बरेली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पीलीभीत के अमरिया कस्बे की रहने वाली युवती बुधवार शाम विषाक्त पदार्थ खाकर थाने पहुंची थी। कस्बे के ही युवक द्वारा प्रेम प्रसंग में धोखा देने के बाद दूसरी जगह शादी करने से युवती आहत थी। विषाक्त पदार्थ खाने की जानकारी के बाद पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। रात करीब दस बजे उसकी हालत बिगड़ी तो चिकित्सकों ने उसे बरेली रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक युवती की ओर से आठ माह पूर्व अमरिया थाने में युवक के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने विवेचना के बाद तीन माह पूर्व एफआर लगाकर कोर्ट में पेश की थी। कुछ दिन पूर्व युवक ने दूसरी युवती से शादी कर ली। जिसकी जानकारी होने पर युवती ने बुधवार को विषाक्त पदार्थ खा लिया था। युवती की ओर से पुलिस पर कार्रवाई में शिथिलता बरतने का आरोप लगाया था। जिला अस्पताल पहुंचने पर युवती के दुपट्टे में विषाक्त पदार्थ मिला था। पुलिस ने विषाक्त पदार्थ को कब्जे में ले लिया था

मुंडिया अहमदनगर में मनरेगा मजदूरों को नहीं मिल रहा परिश्रमिक

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। थाना इज्जतनगर की ग्राम पंचायत मुंडिया अहमदनगर में मनरेगा मजदूरों के साथ हो रही धांधली वास्तविक जॉबकार्ड वाले मजदूर नहीं करते काम उनके खाते में पहुंचता है पैसा और गांव के अन्य लोगों से मनमाने ढंग से काम करवा कर उन्हें नगद दिया जाता है।पैसा वह भी रोजगार सेवक के मूड़ पर निर्भर करता है कब किसको कितनी मजदूरी देनी है। यदि मजदूर मजदूरी मांग ले तो उसे काम से भगाने की धमकी देता है। मनरेगा एक रोजगार गारंटी योजना है । जिसके द्वारा प्रत्येक ग्रामीण परिवार के अकुशल सदस्यों को स्वेच्छा से काम करने के लिए रखा जाता है ।इसका कार्यभार ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता है ।ग्राम प्रधान व रोजगार सेवक की देखरेख में किया जाता है । रोजगार सेवक मुकेश श्रीवास्तव की देखरेख में मनरेगा में कार्य कर रहे ग्रामीणों का आरोप है। समय पर भुगतान किया जाता है।मनरेगा में महिलाएं -पुरुष दोनों ही वर्ग के लोग कार्य करते हैं ।शिकायतकर्ता जाकिर, वाहिद ,आबिद , नजमा, ,नफीस , शाहीन नजमा ,हसमत अन्य लोगों का कहना है कि जब भी अपनी मेहनत के पैसों के लिए मांग की जाती है।तो दो टूक जवाब मिलता है। हम पैसे नहीं देंगे , तुम्हारी किसी धमकियों से हम नहीं डरते हैं। तुम्हें काम से भी निकाल देंगे ।

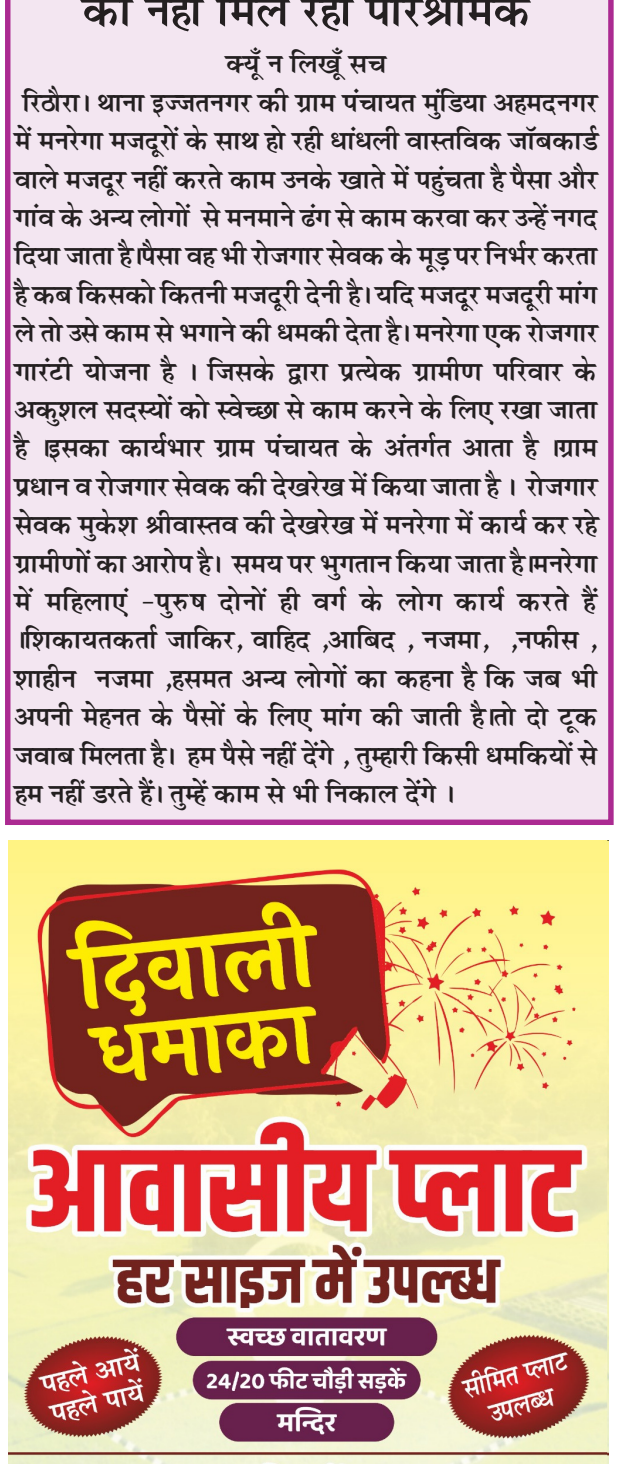

राज्य विज्ञान शिक्षण संस्थान उत्तर प्रदेश प्रयागराज की जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में हुई संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।जिला स्तर पर चयनित छात्र अब मंडल स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी में करेंगे प्रतिभाग राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा प्रायोजित 52 वीं राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी 2024 के अंतर्गत जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन वृहस्पतिवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बरेली में संपन्न हुआ । कार्यक्रम का शुभारंभ उप शिक्षा निदेशक गजेंद्र सिंह , जिला विद्यालय निरीक्षक देवकी सिंह, वरिष्ठ प्रवक्ता डायट फरीदपुर मनोज , प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज दीप्ति वार्ष्णेय , उपप्रधानाचार्य अनु पाराशरी व जिला विज्ञान समन्वयक देवेंद्र कुमार ने माँ सरस्वती का माल्यार्पण कर दीप प्रज्जुवलन के 卐सतत भविष्य के लिए विज्ञान और स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, यातायात एवं संचार, मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल सोच , कचरा तीन संवर्गो जूनियर संवर्ग, सीनियर संवर्ग, व कक्षा 6 से 10 तक के छात्र, सीनियर संवर्ग में में अध्यापकों द्वारा टी0 एल 0एम0 आधारित वर्ग की निर्णायक समिति मे उपेंद्र सिंह सिरोही के डी ई एम इंटर कॉलेज ,सुधीर कुमार प्रवक्ता की निर्णायक समिति में नीतू यादव स0 अ 0 भारत इंटर कॉलेज, धनंजय सिंह स0 अ 0 को कई मापदंडों पर परख कर अपना निर्णय का छात्र-छात्राओं द्वारा प्रदर्शन किया गया । स्तर पर प्रतिभा करेंगे ।सीनियर वर्ग में उप विषय सक्सेना व द्वितीय स्थान हिमांशु शर्मा , उप स्थान सृष्टि द्वितीय नरगिस, उप विषय यातायात कुमार, उप विषय प्राकृतिक खेती में प्रथम प्रबंधन में प्रथम कविता व द्वितीय हर्ष कुमार, सोच में प्रथम पूनम पटेल व द्वितीय वैष्णवी

साथ किया । प्रतियोगिता का मुख्य विषय प्रौद्योगिकी卐 था एवं सात उपविषय - भोजन प्राकृतिक खेती , आपदा प्रबंधन, गणितीय प्रबंधन और संसाधन प्रबंधन थे ।यह प्रतियोगिता अध्यापक संवर्ग में संपन्न हुई ।जुनियर संवर्ग मे कक्षा 11 व 12 के छात्र एवं अध्यापक संवर्ग प्रदर्श मॉडलों का प्रदर्शन किया गया ।सीनियर प्रवक्ता एम बी इंटर कॉलेज , मोना शर्मा प्रवक्ता सुभाष इंटर कॉलेज ऑवला एवं जूनियर वर्ग आर्य पुत्री इंटर कॉलेज , शगुन गुप्ता स 0 अ 0 गुलाब राय इंटर कॉलेज ने प्रदर्शों -मॉडलों दिया ।प्रतियोगिता में कल 111 प्रदर्श मॉडल जनपद स्तर पर चयनित प्रतिभागी अब मंडल संसाधन प्रबंधन में प्रथम स्थान अक्षारिका विषय भोजन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में प्रथम एवं संचार में प्रथम प्रियांशु व द्वितीय राहुल उमेश व द्वितीय अनुष्का उप विषय आपदा उप विषय गणितीय मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल वर्मा , उप विषय कचरा प्रबंधन में प्रथम स्थान सागर बाबू को प्राप्त हुआ ।जूनियर वर्ग में स्थिर मॉडल में उप विषय भोजन एवं स्वच्छता में प्रथम स्थान दिव्यांशु व द्वितीय स्थान अंशी फरनाज, उप विषय यातायात एवं संचार में प्रथम स्थान फलक तथा द्वितीय स्थान सोनम , उप विषय प्राकृतिक खेती में प्रथम स्थान एना बी तथा द्वितीय स्थान अजय उप विषय गणितीय मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल सोच में प्रथम स्थान एंजेल सिंह, उप विषय कचरा प्रबंधन में प्रथम स्थान अहाना मेहरोत्रा, उप विषय संसाधन प्रबंधन में प्रथम स्थान अमन तथा द्वितीय स्थान कृष्णा को प्राप्त हुए इसी प्रकार जूनियर वर्ग की क्रियाकारी मॉडल में उप विषय प्राकृतिक खेती में प्रथम स्थान कामिनी, उप विषय यातायात एवं संचार में प्रथम स्थान ओवैस खान तथा द्वितीय स्थान केसर, उप विषय प्राकृतिक खेती में प्रथम स्थान देविक जौहरी द्वितीय स्थान आकिब अंसारी , उप विषय आपदा प्रबंधन में प्रथम स्थान अर्जुन सागर व द्वितीय स्थान जेनब , उप विषय गणितीय मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल सोच में प्रथम स्थान ऋषभ भारद्वाज द्वितीय स्थान अरविंद, उप विषय कचरा प्रबंधन में कृतिका तथा द्वितीय स्थान फिरोज पाल, उप विषय संसाधन प्रबंधन में प्रथम स्थान कृष्णा सक्सेना द्वितीय स्थान सना को प्राप्त हुए । अध्यापक संवर्ग में टी एल एम आधारित प्रदर्शन मॉडल में उप विषय भोजन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता में प्रथम स्थान खुशबू , उप विषय आपदा प्रबंधन में प्रथम स्थान कल्पवृक्ष रस्तोगी, उप विषय गणितीय मॉडलिंग एवं कंप्यूटेशनल सोच में प्रथम स्थान श्रद्धा मौर्य व द्वितीय स्थान अंकित सारस्वत, उप विषय संसाधन प्रबंधन में कृष्ण श्रीवास्तव को प्राप्त हुए । उक्त सभी विजेता अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन मंडल स्तर पर करेंगे एवं मंडल स्तर पर विजई प्रतिभागी राज्य स्तर पर प्रतिभाग करेंगे । उप शिक्षा निदेशक गजेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों से वैज्ञानिक सोच विकसित करने के साथ आडंबरों से दूर रहने का आह्वान किया और कहा छात्र में उनके शिक्षक की छवि दिखती है एवं प्रयोगात्मक कार्य पर अधिक बल दिया । जिला विद्यालय निरीक्षक देवकी सिंह ने बच्चों को भविष्य में आगे बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दी । प्रधानाचार्य श्रीमती दीप्ति वार्ष्णेय ने सभी अधिकारियों का स्वागत किया एवं जिला विज्ञान समन्वयक देवेंद्र कुमार ने विभिन्न विद्यालय से आए शिक्षकों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित अधिकारियों का आभार प्रकट किया । मंच संचालन रजनी यादव एवं अर्चना त्रिवेदी ने किया तथा कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को रजनी सिंह एवं योगिता सक्सेना ने बखूबी संभाला ।

वक्फ संपत्ति विवाद में कर्नाटक के किसानों से मिले जेपीसी अध्यक्ष, कांग्रेस बोली- उन्हें कोई अधिकार नहीं

कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने कहा है कि %पूरी जेपीसी टीम को कर्नाटक से चले जाना चाहिए। उन्हें किसने अधिकार दिया कि वे किसानों से मिलें? एक तरफा तरीके से राजनीतिक फैसले ले लेना ठीक नहीं है।वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बनी जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने आज कर्नाटक में किसानों से मुलाकात की। दरअसल इन किसानों की जमीन पर वक्फ बोर्ड ने दावा किया था। जिसे लेकर कर्नाटक में राजनीतिक विवाद गहरा गया है। कहा कि %किसानों ने मुझे एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें बोर्ड ने दावा कर दिया है। मैंने उनसे पूछा कि क्या उनके सबूत है तो किसानों ने बताया कि बीते 50-70 वर्षों से बोले- उन्हें किसानों से मिलने का अधिकार किसने दिया? कांग्रेस सरकार को पसंद नहीं आया है। कांग्रेस सांसद कर्नाटक से चले जाना चाहिए। उन्हें किसने अधिकार राजनीतिक फैसले ले लेना ठीक नहीं है। जब कर्नाटक निपट गया है और किसानों की जमीन उनके पास ही है। उनका कदम देश के संसदीय लोकतंत्र के हित में नहीं कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने जेपीसी करार दिया। उन्होंने कहा कि भूमि, राज्य के अधिकार में ही ये शुरू हुआ था। उनकी सरकार में किसानों को लिए समर्पित है कि दस्तावेजों में कोई बदलाव नहीं होगा।

किसानों से मुलाकात के बाद जगदंबिका पाल ने बताया गया कि जो जमीन उनकी थी, उस पर वक्फ पास इस जमीन के मालिकाना हक होने का कोई वो ही इस जमीन पर खेती कर रहे हैं।%कांग्रेस सांसद जगदंबिका पाल का किसानों से मिलना राज्य की मोहम्मद जावेद ने कहा है कि %पूरी जेपीसी टीम को दिया कि वे किसानों से मिलें? एक तरफा तरीके से की कांग्रेस सरकार पहले ही कह चुकी है कि मामला रहेगी फिर इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है।%डिप्टी सीएम ने राजनीतिक ड्रामा करार दिया- अध्यक्ष के किसानों से मिलने को राजनीतिक ड्रामा क्षेत्र में आती है। भाजपा के समय में यानी साल 2019 नोटिस दिए गए, लेकिन मेरी सरकार इस बात के हम नहीं चाहते कि किसान प्रभावित हों। ये भाजपा ने शुरू किया और अब हम पर आरोप लगाए जा रहे हैं। जेपीसी के पास अधिकार नहीं है। वे यहां सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए आए हैं।%भाजपा का पलटवार- भाजपा नेता और पूर्व सीएम बासवराज बोम्मई ने कहा कि यह सत्ता के दुरुपयोग का मामला है, जहां किसानों की जमीन को वक्फ संपत्ति में बदल दिया गया। वक्फ के अधिकार तय हैं, लेकिन मौजूदा सरकार और इसके मंत्रियों ने ताकत का गलत इस्तेमाल करते हुए किसानों के खिलाफ साजिश रची। इससे पूरा किसान वर्ग प्रभावित हुआ है। जेपीसी के विपक्षी सदस्य अगले दौर की बैठकों का बहिष्कार करेंगे- इस बीच वक्फ संशोधन विधेयक पर जेपीसी के अध्यक्ष पर मनमानी और मनमानी कार्रवाई का आरोप लगाते हुए तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने गुरुवार को कहा कि संयुक्त संसदीय समिति के विपक्षी सदस्य 9 नवंबर से शुरू होने वाली बैठकों के अगले दौर का बहिष्कार करेंगे। वक्फ संशोधन विधेयक पर जेपीसी के सदस्य बनर्जी ने कहा कि जेपीसी के अध्यक्ष ने छह दिनों में गुवाहाटी, भुवनेश्वर, कोलकाता, पटना और लखनऊ में बैठकों का व्यस्त कार्यक्रम तय किया है, जिसमें रविवार को छुट्टी है। भविष्य की कार्रवाई का फैसला विपक्ष के सदस्य मिलकर करेंगे। बनर्जी ने कहा कि जेपीसी के विपक्षी सदस्यों ने 5 नवंबर को लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की और कार्यक्रम को स्थगित करने तथा जेपीसी की बैठकों की संख्या को सप्ताह में दो दिन से घटाकर सप्ताह में एक दिन या हर पखवाड़े में दो लगातार दिन करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष ने मौखिक रूप से उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने और चेयरमैन से बात करने पर सहमति जताई थी, लेकिन उसके बाद कुछ नहीं हुआ।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का कांग्रेस पर हमला, कहा- राहुल गांधी नहीं करते संविधान का सम्मान

किरेन रिजिजू ने कहा कि डॉ. बाबा साहब आंबेडकर और संविधान का अपमान करने के बाद कांग्रेस को उनके बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने नागपुर में संविधान सम्मेलन के आयोजन को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने नागपुर में संविधान सम्मेलन किया, लेकिन वह संविधान का सम्मान नहीं करते हैं। डॉ. बाबा साहब आंबेडकर और संविधान का अपमान करने के बाद कांग्रेस को उनके बारे में चुनाव में प्रचार करने गए किरेन रिजिजू ने मल्लिकार्जुन खरगे अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जो शब्द कहे हैं, उनसे मैं बेहद मोदी से प्रेरणा ले रहे हैं। कल ही डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुने अध्यक्ष द्वारा प्रयोग किए गए शब्दों की निंदा करता हूं। में धारा 370 बहाल किया जाएगा। जबकि इसके चलते कश्मीर से धारा 370 हटाई और वहां के एससी-एसटी वर्ग सकती। अगर हम कांग्रेस की करनी को नहीं समझेंगे तो उसके सहयोगियों को सबक सिखाया जाना चाहिए। महाराष्ट्र करेगा। राहुल गांधी ने नागपुर में भाजपा को घेरा था- राहुल हम 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा की दीवार भी तोड़ देंगे। डॉ. सिर्फ एक किताब नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका संघ (आरएसएस) और भाजपा के लोग संविधान पर हमला

बोलने का कोई अधिकार नहीं है। मुंबई में महाराष्ट्र विधानसभा की पीएम मोदी पर की गई टिप्पणी को लेकर कहा कि कांग्रेस दुखी हूं। यह आपत्तिजनक है। आज पूरी दुनिया के लोग पीएम जाने के बाद पीएम मोदी से बात की है। मैं पूरी दृढ़ता से कांग्रेस किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि वह जम्मू कश्मीर वहां आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं था। पीएम मोदी ने जम्मू को आरक्षण दिया। कांग्रेस इस तरह लोगों को गुमराह नहीं कर क्या होगा? उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में कांग्रेस और में कांग्रेस ने जो भी घोषणाएं की हैं, उन पर कोई भरोसा नहीं गांधी ने बुधवार को नागपुर में संविधान सम्मेलन में कहा था कि बाबासाहेब आंबेडकर की ओर से तैयार किया गया संविधान है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जब राष्ट्रीय स्वंयसेवक करते हैं, तो वे सिर्फ इस किताब पर हमला नहीं कर रहे होते, वे भारत की आवाज पर हमला कर रहे होते हैं। हमारे संस्थान संविधान से बने हैं। अगर संविधान नहीं होगा, तो कोई चुनाव आयोग नहीं होगा।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना ,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9077776991

संक्षिप्त समाचार

वायरल वीडियो में दिखाने वाली महिला का नही हूआ अपहरण

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेन्द्र राठौर

पति-पत्नी के आपसी विवाद का वीडियो अज्ञात व्यक्ति ने बनाकर किया वायरल । झाबुआ । महिला के पिता बापू भूरिया के अनुसार महिला उसकी बेटी सुरती पति अंकित मावी उम्र लगभग 25 वर्ष का ससुराल ग्राम इसुर चौकी तिरला थाना राजगढ़ जिला धार में है, जिसका पीयर ग्राम सालरपाड़ा चौकी पारा क्षेत्र में है, जिसके 3 बच्चे है, जो आज से 6 से 7 माह पहले अपने पति बच्चो के साथ मजदूरी पर राजकोट गुजरात गए थे जो सास के साथ बहु सुरती का राजकोट में झगड़ा होने पर अपनी छोटी बच्ची के साथ अपने पिता के घर आ गई थी। दशहरा के 15 दिन पहले पारा हाट बाजार करने के दौरान पति अंकुर द्वारा पत्नी पारा में घूमते देख अपने साथ ससुराल ले जाने लगा था। उसी समय का वीडियो वायरल होना पाया गया। उक्त मामले में अंकुर की पत्नी की तरफ से महिला थाना झाबुआ में आवेदन दिया जाना इसके पिता बापू ने बताया है। चौकी पारा की पुलिस टीम ने वायरल वीडियो में दिखाई देने वाली महिला एवं पुरुष की पहचान कर प्रकरण को संज्ञान में लिया गया है। इस संबंध में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

अखाड़ा परिषद की बैठक में संतों के बीच मारपीट, अखाड़े के दोनों गुट आए आमने-सामने

दारागंज में पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्रपुरी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इसी तरह दारागंज में ही श्री पंचायती अखाड़ा निर्मोही में

महंत राजेंद्र दास की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।दो धड़ों में बंटे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के संतों के बीच बृहस्पतिवार को मारपीट हो गई। इससे काफी देर तक अफरातफरी मची रही। दारागंज में पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्रपुरी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इसी तरह दारागंज में ही श्री पंचायती अखाड़ा निर्मोही में महंत राजेंद्र दास की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान दोनों धड़ों के संतों में पहले कहासुनी हुई। इसके बाद मारपीट हो गई। इससे काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा।भूमि आवंटन के लिए पहुंचे थे मेला कार्यालय- अखाड़ा परिषद के दोनों धड़ों के संत भूमि आवंटन की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को प्रयागराज मेला प्राधिकरण कार्यालय पहुंचे थे। बताया जाता है कि इस दौरान निर्मोही अखाड़े के महंत राजेंद्र दास से कुछ संतों से कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इससे मेला कार्यालय पर अफरातफरी मच गई। मौके पर जूना अखाड़े के संरक्षक और अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरि ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। काफी दिनों से चल रही है रस्साकसी- अखाड़ा परिषद अध्यक्ष पद को लेकर संतों के दो धड़ों में काफी दिनों से विवाद चल रहा है। अखाड़ों और साधुओं को अपने पक्ष में करने के लिए रस्साकसी चल रही है। दूसरा धड़ा अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र गिरि को अध्यक्ष मानने के लिए तैयार नहीं है। दूसरे धड़े ने बुधवार को शाही स्नान और पेशवाई आदि मुगलकालीन शब्दों को बदलकर कुंभ छावनी प्रवेश और कुंभ अमृत स्नान नाम करण कर दिया है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 की तैयारी के संबंध में कलेक्टर ने समितियों कोदियेविस्तृत दिशा निर्देश

14 नवंबर से 31 जनवरी 2025 तक किया जाएगा धान खरीदी

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- सूरजपुर/06 नवंबर 2024/ खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 की तैयारी के संबंध में कलेक्टर श्री एस जयवर्धन की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में समिति प्रबंधक ऑपरेटर एवं शाखा

प्रबंधक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित अंबिकापुर की बैठक आयोजित हुई। कलेक्टर द्वारा समितियों को प्रारंभिक तैयारी व खरीदी के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए खरीदी में किसानों के लिए मूलभूत सुविधाएं तथा पानी और फर्स्ट एड बॉक्स आदि की उपलब्धता के निर्देश दिए गए। चेक लिस्ट अनुसार समिति स्तर पर सफाई, फेसिंग, तारपोलिन एवं डनेज आदि की व्यवस्था के निर्देश दिए। धान खरीदी में उपयोग होने वाली पंजियों का संधारण कर्मचारियों की कार्य विभाजन करने उपार्जन केंद्र में प्रदर्शित किया जाए। उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी अवधि, न्यूनतम समर्थन मूल्य, औसत अच्छी गुणवत्ता का मानक, सैम्पल, खाद्य विभाग के टोल फ्री नंबर 18002333663, ट्रस्टेड पर्सन का नाम एवं मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया साथ ही पंजीकृत किसानों के रकबा सहित सूची समितियों में अनिवार्यत: प्रदर्शित किया जाए। इस वर्ष 14 नवंबर 2024 से 31 जनवरी 2025 तक खरीदी किया जाएगा। टोकन हेतु विशेष प्रावधान- इस वर्ष लघु एवं सीमांत किसान जिनका पंजीकृत रकबा 25 एकड़ एवं 2.5-5 एकड़ तक है उन्हें मात्र दो बार अधिकतम टोकन जारी किया जाएगा कृषक जिनका रकबा 5 एकड़ से अधिक है उन्हें अधिकतम तीन बार टोकन जारी किया जाएगा । टोकन के लिए किसान उपार्जन केंद्र में तथा टोकन तोहार हाथ एप्प के माध्यम से स्वयं भी टोकन जारी कर सकते हैं। टोकन तोहार हाथ एप्प प्ले स्टोर में उपलब्ध है। आप अगर पुराना वर्जन 1.0 इस्टॉल हो तो

हाई स्कूल आमगांव में साइकिल वितरण कार्यक्रम हुआ संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- हाई स्कूल आमगांव में निशुल्क सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत क्षेत्रीय विधायक सम्माननीय श्री भूलन सिंह मरावी के कर कमल से 19 छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया।

सरस्वती माता के छाया चित्र का पूजन अर्चन पश्चात सर्व प्रथम प्राचार्य डी एस लकड़ा ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री भूलन सिंह मरावी ने छात्राओं से कहा कि हमारी सरकार आप सभी को सायकल, गणवेश, पाठयपुस्तक निशुल्क उपलब्ध करा रही है। 8 वीं तक निशुल्क मध्याह्न भोजन मिलता है। सभी पात्र छात्रों को छात्रवृति दिया जा रहा है, आप सभी इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपना लक्ष्य बनाए, कठोर परिश्रम करें निश्चित रूप से जीवन में बड़ा मुकाम हासिल करेंगे। सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार साहू ने कहा कि जिला प्रशासन एवं विभागीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में हम लोग स्कूल शिक्षा विभाग के सभी योजनाओं को आप तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। आप सभी इन योजनाओं का लाभ उठा कर आने वाले परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन करें। कार्यक्रम के अध्यक्ष ग्राम के सरपंच मानिक चंद सिंह पोर्ते ने कहा कि पंचायत स्तर से हम लोग विद्यालय हित में हर संभव मदद करने को तैयार है। एमएमडीसी सदस्य बालकुमार ने पालकों से बच्चों को रोज स्कूल भेजने का आह्वान किया। हाई स्कूल से श्रीमती विजय कुमारी लकड़ा, रामलाल साहू, आशीष त्रिपाठी, पंकज सोनी, रूप साय माध्यमिक शाला से भूलेश्वर सिंह, दस राम चौधरी, नम्रता सोनी, प्राथमिक शाला से संजय चौबे, अनिता सिंह एवं प्रतिभा जायसवाल सहित सभी शिक्षक एसएमडीसी सदस्य सैकड़ों की संख्या में पालक, ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता रोशन प्रजापति एवं आभार प्रदर्शन सीएसी शिवमंगल सिंह ने किया।

हम सभी ध्यान दें तो क्षेत्र को बहुत जल्दी बना सकते हैं बाल विवाह मुक्त-मनोज जायसवाल

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जिला कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन के निर्देश व जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रमेश साहू के मार्गदर्शन में जिले को बाल विवाह मुक्त करने हेतू जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल

के नेतृत्व में टीम सक्रिय है,इसी क्रम में आज रामानुजनगर में विकास खण्ड के समस्त सचिव और रोजगार सहायकों को उनके कार्य दायित्व के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई। जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने बताया कि एन.एफ.एच.एस. के सर्वे के अनुसार छ. ग. मे सूरजपुर में सबसे ज्यादा 34त्न विवाह बाल विवाह होते हैं जो चिन्ता का विषय है।इस कलंक से मुक्ति हेतु आप सभी के सहयोग की आवश्यकता है,सभी सचिव अपने ग्राम पंचायत मे विवाह पंजी का संधारण अनिवार्यत: करें गाँव में होने वाले सभी विवाहों का पंजीयन करें एवं वर कन्या के उम्र सम्बन्धित दस्तावेजों का परीक्षण करें यदि उम्र कम पाया जाता है तो उसकी सूचना टोल फ्री 1098,181,112 या परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक को दें बाल विवाह एक सामाजिक बुराई ही नहीं बल्कि एक अपराध भी है बाल विवाह करने पर बाल विवाह करने वाले, अनुमित देने वाले एवं सामिल होने वाले सभी अपराधी होते हैं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम में 2 वर्ष की सजा एवं 1 लाख रुपये का जुर्माना का प्रावधान है सभी अभी अपने अपने गाँव मे इस संबंध मे जागरूकता लाएं ताकि सूरजपूर जिले को बाल विवाह मुक्त जिला बनाएं कार्यशाला में बाल श्रम, पॉक्सो, गुड टच बेड टच,मानव तस्करी, नशा मुक्ति एवं बाल संरक्षण के संबंधित अन्य विषयों की जानकारी दी गई ।कार्यक्रम मे सभी को बाक विवाह मुक्त गाँव बनाने का शपथ दिलाया गया । कार्यक्रम मे जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल, जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संजय राय सामाजिक कार्यकर्ता अंजनी साहू चाइल्ड लाइन से जनार्दन यादव एवं रमेश साहू उपस्थित थे

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर ग्राम पंचायत बंशीपुर में आज

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- ग्राम पंचायत बंशीपुर में 08 नवंबर को प्रात: 11 बजे से जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन ने सभी अधिकारियों को आवश्यक तैयारी करने और समय पर शिविर स्थल में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में लोगो को शिविर में पहुंचकर लाभ उठाने के लिए कहा है। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू ने बताया कि शिविर में आमजनों की समस्याओं के निराकरण के साथ विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल भी लगाया जाएगा। इस दौरान अधिकारियों द्वारा आमजनों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। शिविर में आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, आधार कार्ड भी बनाया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न समस्याओं एवं मांगो से संबंधित आवेदन लिए जाएंगे।

कलेक्टर ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन ने जिला अस्पताल सूरजपुर का अचौक निरीक्षण किया । जहां उन्होंने समस्त वार्डो का मुआयना कर वार्डो की साफ सफाई व अस्पताल परिसर की सफाई पर

विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। डी एच लैब को जल्द से जल्द चालू करने , डॉक्टर एवं अन्य स्टाफ को समय पर ड्यूटी में उपस्थित रहने की बात कही। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ के डी पैकरा को चिकित्सा सेवा में विस्तार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश निर्देश दिए। मरीजों को समय पर इलाज की सुविधा मिल सके , दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित हो इस पर विशेष ध्यान देने की बात कही। जिला अस्पताल परिसर में डामरीकरण सड़क को जल्द से जल्द पूर्ण कराने के निर्देश दिए है। उक्त निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ के डी पैकरा ,सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ अजय मरकाम, संजय सिन्हा एवं अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

लिसाड़ में आईटीआई उत्तीण अभ्यर्थियों को सेवायोजित कराने के उद्देश्य से रोजगार मिलेगा आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली रोजगार मेले में 85 हुए चयनित।जिला सेवायोजन कार्यालय शामली एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, थानाभवन, के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान,

लिसाढ़ में आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को सेवायोजित कराने के उद्देश्य से रोजगार मेलें का आयोजन किया गया। जिसमें जिला सेवायोजन अधिकारी ने सभी प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए प्रतिभाग करने वाली कंपनियों से परिचित कराते हुए छात्रों को रोजगार से जुड़ी कंपनियो के प्लेसमेंट संबंधी संपूर्ण गतिविधियों व प्रक्रियाओं से परिचित कराया व करियर काउंसलिंग की। आईटीआई फोरमैन शिवचरण ने प्रशिक्षार्थियों को अधिक से अधिक प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा सभी को शुभकामनाएं भी दी व मंच संचालन किया। सभी कंपनियों ने अपना संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। प्रमुख कम्पनियों में पोस्टरिटी कंसल्टिंग प्रा लि, डिक्सोन इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा0 लि0, सैमसंग मोबाइल, सन फार्मा, इन्डो फार्म ट्रेक्टर, बार्बी क्यू, जीनियस इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रोनिक्स, होली हर्ब्स हेल्थकेयर ने विभिन्न पदों हेतु साक्षात्कार किया। रोजगार मेले में 146 अभ्यर्थियो ने प्रतिभाग किया जिसमें 85 को चयनित किया गया। इस अवसर पर सतेन्द्र कुमार, एम एस मैनेजर पवन कुमार, फोरमैन देवेन्द्र कुमार, अनुदेशक रिछपाल, सुरजीत, परविन्द्र, लिपिक उत्तम, अज़ीम उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य ऋषिपाल सिंह एवं जिला सेवायोजन अधिकारी अजय कुमार द्वारा रोजगार मेले में चयनित हुए प्रशिक्षार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई।

संक्षिप्त समाचार

सटीक पशुधन गणना के लिए होगा संगणना कार्य

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर-संपूर्ण भारत देश में प्रति 05 वर्ष में पशुधन की जानकारी के लिए पशु संगणना का कार्य किया जाता है। इसी भांति इस वर्ष भी संपूर्ण देश की तरह सूरजपुर जिले में 21 वीं पशु संगणना का कार्य माह नवम्बर 2024 में प्रारंभ किया जा रहा है। जिसके लिए पशुधन विकास विभाग, जिला सूरजपुर की ओर से सभी ग्रामीण/शहरी वाडों में उत्तरदाताओं / पशुपालकों/कृषकों को अनुरोध है कि पशुधन विकास विभाग अंतर्गत नियुक्त प्रगणकों को पशु संगणना संबंधी सटीक आंकड़े उपलब्ध करावें ताकि जिले की सटीक पशुधन गणना की जा सके

समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का खरीदी उपार्जन केन्द्र हेतु नियुक्त किये गए नोडल अधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- छ.ग. शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय, महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर के निर्देशानुसार आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 हेतु जारी धान एवं मक्का उपार्जन नीति 2024-25 के अनुसार समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था के संबंध में चेक लिस्ट अनुसार खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण करने तथा धान खरीदी अवधि में बारदाना व्यवस्था, आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से धान उपार्जन, फर्जी धान खरीदी रोकने एवं धान के नियमित उठाव की सतत निगरानी तथा उपार्जित धान का साप्ताहिक भौतिक सत्यापन हेतु उपार्जन केन्द्रों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जिले के ग्राम पंचायतों में पंडो जनजाति के लिए लगाए गये विशेष शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के निर्देश एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नन्दिनी साहू के मार्गदर्शन में जिले के ग्राम पंचायत मंजीरा, पाठकपुर, डुमरिया, खाल बहरा, दुरती, तिवरागुडी, कनकपुर में विशेष पिछड़ी जनजाति पंडो के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर द्वारा राज्य एवं केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का लाभ पंडो समुदाय के हितग्राहियों तक पहुँचाया गया। शिविर के माध्यम से आधार कार्ड अपडेट, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, श्रम पंजीयन, जैसे लाभ दिया गया।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती साहू ने पीएम आवास के कार्यों का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- चौपाल लगाकर हितग्राहियों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारियां व कार्य पूर्ण करने हेतु किया गया प्रेरित - शासन

के महत्वकांक्षी योजना पीएम आवास योजना का राज्य स्तर से निरंतर समीक्षा की जा रही है। हाल ही में बड़े पैमाने पर आवास की स्वीकृति देकर प्रथम किस्त हितग्राहियों को प्रदाय की गई है। कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के निर्देश एवं सीईओ जिला पंचायत के मार्गदर्शन में आवास हितग्राहियों से डोर टू डोर संपर्क, आवास चौपाल के माध्यम से समझाइश व जल्द निर्माण हेतु प्रेरित किया जा रहा है। इसी तारतम्य में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू द्वारा सूरजपुर जनपद पंचायत के लटोरी एवं महेशपुर में हितग्राहियों का चौपाल लगाकर उन्मुखीकरण और उनसे आवास निर्माण के बारे में चर्चा किया गया तथा ग्राम पंचायत में निर्माण नहीं कर रहे हितग्राहियों के आवास का निरीक्षण किया गया। उपस्थित अधिकारी/कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिया गया।

This wood-like spice is a storehouse of medicinal properties, makes both heart and mind healthy

The spices kept in the Indian kitchen not only help in enhancing the taste of food but also work to improve your health. Dalchini, also known as Cinnamon, is one of them. This wood-like spice is a storehouse of medicinal properties. Let us know some of its surprising benefits

(benefits of Cinnamon). Cinnamon is used in large quantities in Indian dishes. It is a garam masala, which is famous for its special aroma and taste. However, along with enhancing the taste of food, it also benefits health. There is hardly anyone who has not heard the name of cinnamon (benefits of cinnamon). It is usually used as a garam masala and due to its special aroma and taste, it is also used in many dishes. However, it is not just a spice, but also an Ayurvedic herb. Antioxidant-rich cinnamon contains many nutrients like calcium, fiber, magnesium, vitamin A, B6, C and K. It also contains a nutrient called cinnamaldehyde, which is rich in medicinal properties, which proves to be beneficial for health in many ways. It provides many health benefits like improving digestion. However, despite this, many people are unaware of its benefits. In this article today, we will tell you about some surprising benefits of including cinnamon in your daily diet - Consuming cinnamon increases insulin resistance in the body, which helps in controlling blood sugar levels. It is especially beneficial for people suffering from type 2 diabetes. Improves heart health - Consumption of cinnamon, rich in antioxidants and anti-inflammatory properties, helps in keeping the heart healthy. It reduces bad cholesterol (LDL) and triglycerides, as well as increases good cholesterol (HDL), which reduces the risk of heart diseases. Cinnamon helps in weight loss by increasing the body's metabolism, which burns fat faster. Its consumption reduces hunger and makes the stomach feel full for a long time, which is helpful in weight management. Strengthens the immune system - Cinnamon contains antioxidants, which protect the body from harmful free radicals. Its regular consumption strengthens the immune system and helps fight diseases like cold, cough, flu. Improves brain function - Consumption of cinnamon increases brain function, strengthens memory, and improves cognitive functions. It is also helpful in reducing the risk of neurodegenerative diseases like Alzheimer's and Parkinson's. Improves digestion - Cinnamon activates the digestive system and relieves problems like indigestion, gas, and bloating. Its antimicrobial properties control harmful bacteria in the intestines, thereby improving stomach problems. Relief in inflammation and pain - The natural anti-inflammatory properties of cinnamon help reduce inflammation in the body. It provides relief from joint pain and inflammation-related problems like arthritis. Adding cinnamon to your diet can improve overall health.

If you crave to eat something in the evening, then try Apple Cinnamon Smoothie, the recipe is very easy

Feeling hungry in the evening is a common thing. Whether we are in the office or at home, we feel like eating something light in the evening. In such a situation, today we have brought for you such a recipe of Apple Cinnamon Smoothie which will not become a hindrance in the path of weight loss along with calming your craving. Let's know. Many people feel a little hungry as soon as the evening comes. In such a situation, weight loss is hindered by eating fried food. You can calm this craving with Apple Cinnamon Smoothie. Today we have brought for you such a smoothie made from apple, cinnamon and chia seeds, which is rich in many nutrients. Cinnamon is such a beneficial spice that brings many benefits to overall health. At the same time, chia seeds are rich in minerals and fiber. In such a situation, drinking this smoothie gives instant energy to the body and the stomach also remains full for a long time. Let us tell you an easy recipe to prepare Apple Cinnamon Smoothie in this article. Ingredients for making Apple Cinnamon Smoothie- 2 large apples (red or green, as per your choice)- 1 cup milk- 1/2 cup curd (homemade curd is best) 2 tablespoons honey (or sweetness as per your choice)- 1/4 teaspoon cinnamon powder- Some ice cubes- Almonds or other dry fruits (cut) as per taste Recipe to make Apple Cinnamon Smoothie- First of all, wash and peel the apple thoroughly and cut it into small pieces. After this, remove the curd from the fridge and keep it at room temperature. Then add chopped apples, cold milk, curd, honey and cinnamon powder in a blender. Now run the blender and mix all the ingredients well. Run it till the smoothie becomes thick and creamy. Finally, pour the prepared smoothie into a glass and garnish it with some chopped almonds or other dry fruits. If you want, you can also serve the smoothie with a spoonful of ice cream. Special Tips- You can change the taste of your smoothie by adding other fruits like banana, strawberry, blueberry etc. apart from apple. Apart from cinnamon, you can also use other spices like cardamom, nutmeg etc. If you want to make the smoothie more nutritious, you can also add protein powder to it. You can also make a healthy green smoothie by adding spinach or other green leafy vegetables to this smoothie. Benefits of Apple Cinnamon Smoothie- Apple contains vitamin C, fiber and other essential nutrients which help in keeping the body healthy. The fiber present in this smoothie helps in improving digestion. Honey and milk added to the smoothie give energy to the body. The antioxidants present in it help in keeping the skin healthy. Being rich in fiber, this smoothie keeps you full for a long time, which prevents you from overeating and makes weight loss easier.

Excessive love to one child creates a rift in the mind of the other child; know everything from the expert

Excessive love to one child creates a rift in the mind of the other child. To avoid the child's mind from breaking due to this feeling, remove this rift between siblings. Know in Parenting Tips why this happens and how to strengthen this relationship. Exclusive conversation with clinical psychologist and counselor Dr. Deepali Batra. Parents have different expectations from different children. Many psychological factors work behind sibling rivalry. The age of the children and the behavior of the parents determine the atmosphere of the family. Papa loves only Didi, even Mummy scolds me. No one scolds Didi and the house is full of food and things of her choice. When the elder daughter Rohini came home from the hostel on the festival, she started getting all the love of the parents. Her younger brother Shivam, who was present in the house, started feeling a little lonely. Which was seen when Rohini joked about Bhai Dooj and Shivam became furious with anger. This is sibling rivalry between brother and sister, which also happens between two brothers. There are many reasons for conflict- There are many reasons for sibling rivalry which are influenced by the age, needs and ability of children to control anger. The attention, praise and recommendation received by children also increase this conflict. Expectations of parents and discriminatory behavior by them, such as giving more love to one child, increase this competition. Apart from this, if a child remains sick more often then he needs more care, this can create a feeling in other children that less attention is being given to them. Thus, many psychological and social factors work behind sibling rivalry. Your words are important- It is important to pay attention to the conversation between children and their banter, because it reflects their emotional health. When children complain or compare, such as 'that day the stuff came from sister's choice', it is a sign that they are feeling ignored. Take children's words seriously. Sometimes children misbehave so that they can get the attention of their parents. This situation can have a negative impact on the mental development of children. Parents' communication is also important. When they praise the elder child or the younger child and ignore the other, it can have a negative impact on the neglected child. Therefore, give equal attention and encouragement to all children. Start from childhoodIt is important to explain the difference between elders and younger children from childhood itself, so that they can respect each other. Parents should avoid competition among children while managing their conflicts. It is important how and in what tone we are talking to children. The atmosphere of the house should be respectful, so that children can learn teamwork and restraint. Giving responsibilities to children in turns increases understanding and mutual cooperation in them. Along with giving equal time to all the children, it is also important to teach them the art of apologizing and forgiving. This situation also arises in the case of twins. In such a situation, make them feel that both are important. If the tension increases, one should not hesitate to take professional help. The foundation becomes weak- It is necessary to remove the mutual hatred between siblings in time, because then it increases with time. While living together, children learn to share and cooperate. If their conflicts are not resolved, it can affect their future relationships. They develop a sense of negative competition, which can spoil the relationship of siblings. Childhood memories become deeper with time and sometimes this resentment starts coming out on the parents as well, due to which the children start thinking that the parents loved only the elder brother or sister! Identify the reasons for the children's fights and try to stop the resentment by remaining calm. Do not use comparative words. In case of a fight, explain to both the children separately. Encourage them to channel their resentment in a positive direction. Improve the atmosphere at home so that children do not learn to get angry or say bad things. Never say which child you love more or who has upset you.

This film is based on the real love story of Kamal Haasan, the first marriage broke due to extra marital affair

Kamal Haasan Birthday South cinema's veteran actor Kamal Haasan will celebrate his birthday tomorrow i.e. on November 7. There are many interesting stories about him. But his love story is also discussed a lot. Today, as a birthday special, it will be mentioned and we will tell how his first marriage broke due to extra marital affair. Kamal Haasan will celebrate his 70th birthday - Kamal is a veteran name in the film world - Kamal Haasan is the father of two daughters If we talk about the veteran actors of South Indian cinema, then Kamal Haasan's name will be included in the top list. Kamal, who entered the world of acting at a young age, will celebrate his 70th birthday on November 7. As a birthday special, there are many stories about his personal life and professional life. Apart from his acting career, Kamal Haasan has been in the news for many issues in his personal life. On this basis, we are going to tell you in detail about his first love story and married life. Kamal's love story was in the news in the 70s- Kamal Haasan entered the world of acting as a child artist at the age of 6 with the film Kalattur Kannamma. But as a lead actor, his acting skills became popular in no time. During this time, he worked in the 70s and he became a superstar Srividya. It is said that the love affair of in many films with South actress time. The news of Kamal Haasan's these two was in the limelight at that than him was no less than a breaking affair with an actress one year older has also been made on this love story, news at that time. A Malayalam film released in the year 2008, actress titled Thirakkatha. In this film and Prithviraj Sukumaran played the Priyamani played the role of Srividya years, the love story of Kamal and role of Kamal. However, after a few marriages did not work out- In 1978, Srividya came to an end. Kamal's Haasan's life and they got married. dancer Vani Ganpati entered Kamal years. But as soon as Vani got a hint of Their relationship went well for many actress Sarika, the marriage broke Kamal's extra marital affair with However, shortly after the first down and the two separated in 1988. Sarika as his second life partner and marriage broke down, Kamal chose But with the end of the 16-year journey, their relationship continued till 2004. Let us tell you that Kamal has two Kamal's second marriage also failed. famous actresses of South Cinema, their daughters from Sarika, who are Akshara Haasan. Kamal's upcoming names are Shruti Haasan and seen playing the role of a villain in Nag film- This year Kamal Haasan was fiction film Kalki 2898 AD. The film has proved to be a box office success. The special thing is that in the coming time, the second part of this movie will also be released in which Kamal will be seen. Apart from this, discussions are going on about a film of Kamal Haasan with Salman Khan. Apart from this, the film Thug Life is also in the pipeline.

Akshay Kumar's iconic comedy Bhagam Bhag will have a sequel? This amazing pair will be seen together

Akshay Kumar is known for his excellent comedy and comic timing. The actor has done many comedy films. Now the news is coming that the sequel of another film of the actor is about to come. Filmmaker Priyadarshan is preparing to make a sequel to his 2006 superhit comedy film Bhagam Bhag. Bhagam Bhag's sequel will come soon Paresh Rawal will be seen with Akshay Kumar - work is going on the script In the year 2006, the three kings of comedy Akshay Kumar, Paresh Rawal and Govinda appeared together in the film Bhagam Bhag. This film was directed by Priyadarshan. The film proved to be a superhit at the box office and got the status of a cult film. Often many of its memes go viral on social media. Rights have already been bought - but imagine what if this pair returns to the silver screen once again? Why are you happy? Yes, we have brought such news for all of you that you are going to be very excited after hearing it. After 20 years, this trio (Akshay Kumar, Paresh Rawal, Govinda) is going to make a comeback through Bhagam Bhag Again. According to a report by Pinkvilla, Sarita Ashwin Varde (Roaring River Productions) has bought the rights of Bhagam Bhag. She will produce this film in collaboration with Shemaroo Entertainment. Work is going on the script of the film Akshay Kumar has already fixed the franchise rights for both Hera Pheri and Bhagam Bhag. The script is currently being worked on in collaboration with a new team of writers. This step will give a new twist to the upcoming film. Akshay is currently busy shooting for Housefull 5 - Akshay Kumar was last seen in the comedy-drama Khel Khel. The film was released in theaters in August. He is currently busy shooting for Housefull 5, the next installment of the popular comedy franchise. After this, Akshay will also be seen in Welcome to the Jungle and Bhoot Bangla. Fans are eagerly waiting for both these comedy films. When will it be released? - It is also being said that if everything goes according to plan, the shooting of Bhagam Bhag 2 will start by the end of 2025. It can also be released in the year 2026. As soon as the scripting work is completed, a director will be appointed for it.

Ajay Devgn's nephew Aman will debut with Raveena Tandon's daughter, first poster of Azaad released

The teaser of Ajay Devgan's upcoming film Azaad has been released. The actor's previous box office release Singham Again is also performing very well. His nephew Aman Devgan and Raveena Tandon's daughter Rasha Thadani are debuting with this film. Recently its teaser was well liked. The film will be released in theaters in January 2025. The film will be released in January next year Rasha Thadani is Raveena Tandon's daughter - will debut with Aman Devgan Raveena Tandon's daughter Rasha Thadani is going to debut in Bollywood very soon. She will be seen with Aman Devgan in the film Azaad, whose teaser has been released recently. Now Ajay Devgan has released a latest poster of the new cast which has increased the excitement of the fans even more. This film will be released in January 2025 next year. Fans reacted to the poster- In the poster released by Ajay Devgan on Instagram, Aman Devgan and Rasha Thadani are seen hugging each other. In its caption, he wrote- 'Every memorable story begins with a love story. #Azad's teaser has been released.' After this, fans are reacting by making heart and fire emojis in the comment section. Azad is directed by Abhishek Kapoor, who is known for films like 'Kai Po Che', 'Kedarnath', 'Rock On' and 'Chandigarh Kare Aashiqui'. How is the teaser of Azad- While Ajay Devgan is enjoying the success of Singham Again these days, the teaser of his next film has also been released. In this teaser, the story of the country's brave warrior Maharana Pratap and his brave horse has been filmed. The story of this film is focused on Maharana Pratap's loyal horse. Whatever Aman Devgan is seen in the teaser, he is looking good in his character. Ajay Devgan has been shown in the same tough look as Tanhaji in the film and it suits him very well. Apart from this, glimpses of Rasha Thadani in between are looking very beautiful. Rasha is shown as a girl from a rich family who will definitely win your heart. Who is Aman Devgan- Talking about Aman Devgan, he is the son of Ajay Devgan's sister Neelam Devgan. According to that, he is Ajay's nephew. Aman is debuting through this film. Apart from Ajay, Aman and Rasha, the film also stars Diana Penty, Mohit Malik and Piyush Mishra.